PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक
भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

"जो व्यक्ति रिश्तों को जोड़ने के लिए अपने अहंकार का त्याग करता है, वही सबसे बड़ा समझदार होता है–क्योंकि टूटना आसान है, लेकिन जोड़कर रखना ही असली इंसानियत है।"

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-192 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 5 जून, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

बिखरते रिश्तों के बीच अनसुना 'जोड़ने वाला इंसान'

आज का सामाजिक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। आधुनिक जीवनशैली, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती चाह और करियर की दौड़ ने परिवारों की संरचना को गहराई से प्रभावित किया है। संयुक्त परिवार, जो कभी भारतीय समाज की पहचान हुआ करते थे, अब धीरे-धीरे एकल परिवारों में बदलते जा रहे हैं। इस परिवर्तन के बीच एक ऐसी भूमिका अक्सर उपेक्षित रह जाती है–वह व्यक्ति जो परिवार को जोड़कर रखने का प्रयास करता है। यही व्यक्ति सबसे अधिक समझौता करता है, सबसे अधिक सहन करता है, और विडंबना यह है कि सबसे अधिक आलोचना भी उसी को झेलनी पड़ती है। मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। परिवार एक जीवित इकाई की तरह होता है, जिसमें भावनाएँ, संबंध और जिम्मेदारियाँ एक-दूसरे से जुड़ी होती हैं। लेकिन जब विचारों में भिन्नता बढ़ती है और संवाद कम हो जाता है, तो दरारें पड़ने लगती हैं। ऐसे समय में कोई न कोई व्यक्ति ऐसा होता है जो स्थिति को संभालने की कोशिश करता है–कभी समझाकर, कभी झुककर, तो कभी अपनी इच्छाओं का त्याग करके। वह न तो किसी पक्ष का विरोध करता है और न ही किसी को अलग होने देता है। उसका उद्देश्य केवल इतना होता है कि घर की एकता बनी रहे।

लेकिन समाज की एक कड़वी सच्चाई यह है कि ऐसे व्यक्ति को अक्सर गलत समझा जाता है। उसकी सलाह को दखलअंदाजी कहा जाता है, उसकी चिंता को रोक-टोक समझा जाता है और उसके त्याग को कमजोरी मान लिया जाता है। लोग यह भूल जाते हैं कि जो व्यक्ति आज उन्हें एक साथ रहने के लिए प्रेरित कर रहा है, वही भविष्य में बिखराव से बचाने की सबसे मजबूत कड़ी है। आधुनिक जीवन की व्यस्तता ने लोगों के धैर्य को भी प्रभावित किया है। अब कोई भी लंबे समय तक समझौता करने को तैयार नहीं दिखता। हर व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता को सर्वोपरि मानता है, और यह स्वतंत्रता जब असंतुलित हो जाती है तो संबंधों में दूरी पैदा करती है। इसी दूरी को कम करने की कोशिश करने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे अकेला पड़ने लगता है। परिवार के भीतर छोटे-छोटे मतभेद जब समय पर सुलझाए नहीं जाते, तो वे बड़े विवादों का रूप ले लेते हैं। एक समय ऐसा आता है जब संवाद पूरी तरह टूट जाता है और लोग केवल औपचारिक संबंधों में बंधकर रह जाते हैं। तब जाकर सभी को यह एहसास होता है कि जो व्यक्ति लगातार उन्हें जोड़ने की कोशिश कर रहा था, वह वास्तव में परिवार की रीढ़ था। यह भी एक गंभीर प्रश्न है कि क्यों हम जोड़ने वाले व्यक्ति की भूमिका को तब तक महत्व नहीं देते जब तक वह हमारे बीच मौजूद होता है? क्यों हम उसकी चेतावनियों को नज़रअंदाज़ करते हैं और उसकी चिंता को हस्तक्षेप मान लेते हैं? शायद इसका कारण यह है कि हम तत्काल सुविधा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को अधिक महत्व देते हैं, जबकि दीर्घकालिक संबंधों की मजबूती को कम समझते हैं। परिवार को जोड़कर रखना केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह सामूहिक प्रयास का परिणाम होना चाहिए। यदि हर सदस्य थोड़ा-सा धैर्य, थोड़ा-सा सम्मान और थोड़ा-सा समझौता अपनाए, तो रिश्तों को टूटने से बचाया जा सकता है। लेकिन जब यह जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति पर आ जाती है, तो वह मानसिक रूप से थकने लगता है। समाज को यह समझने की आवश्यकता है कि रिश्ते केवल अधिकारों से नहीं चलते, बल्कि कर्तव्यों और त्याग से मजबूत होते हैं। यदि हम अपने आसपास ऐसे किसी व्यक्ति को देखते हैं जो परिवार को जोड़ने का प्रयास कर रहा है, तो हमें उसकी भावनाओं को समझना चाहिए, न कि उसकी आलोचना करनी चाहिए।

अंततः यह कहना उचित होगा कि रिश्तों को तोड़ना आसान है, लेकिन उन्हें जोड़कर रखना अत्यंत कठिन कार्य है। और जो व्यक्ति यह कठिन कार्य करता है, वही वास्तव में परिवार की असली ताकत होता है। उसकी उपस्थिति में भले ही उसकी कद्र कम हो, लेकिन उसकी अनुपस्थिति में उसकी आवश्यकता सबसे अधिक महसूस होती है।

राज्यसभा चुनाव: भाजपा ने सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को बनाया उम्मीदवार

भीम प्रज्ञा न्यूज.जयपुर।

राजस्थान की तीन राज्यसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को अपने दो उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी ने पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और भाजपा की राष्ट्रीय सचिव अलका गुर्जर को राज्यसभा प्रत्याशी बनाया है। सतीश पूनिया वर्तमान में हरियाणा भाजपा के प्रभारी हैं, जबकि अलका गुर्जर लंबे समय से संगठन में सक्रि य भूमिका निभा रही हैं। राज्यसभा की तीन सीटों के लिए 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, भाजपा सांसद राजेंद्र गहलोत और कांग्रेस सांसद नीरज डांगी का कार्यकाल 21 जून को समाप्त हो रहा है, जिसके चलते ये सीटें रिक्त हो रही हैं।

जाट और गुर्जर वोट बैंक को साधने की कोशिश

भाजपा ने सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को उम्मीदवार बनाकर प्रदेश के दो बड़े सामाजिक वर्गों–जाट और गुर्जर समुदाय–को साधने का राजनीतिक संदेश दिया है। सतीश पूनिया जाट समाज के प्रभावशाली नेता माने जाते हैं, जबकि अलका गुर्जर गुर्जर समाज का प्रतिनिधित्व करती हैं। दोनों नेताओं का संगठन में लंबा अनुभव रहा है और वे विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं।

संख्या बल के आधार पर भाजपा को दो सीटों की बढ़त

वर्तमान विधानसभा संख्या बल के अनुसार एक राज्यसभा सीट जीतने के लिए 51 विधायकों के वोट आवश्यक हैं। मौजूदा गणित के हिसाब से भाजपा दो और कांग्रेस एक सीट जीतने की स्थिति में है। भाजपा के पास दो सीटों के लिए पर्याप्त समर्थन है, जबकि तीसरी सीट जीतने के लिए उसे अन्य दलों और निर्दलीय विधायकों के लगभग 35 अतिरिक्त वोटों की जरूरत होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार मौजूदा परिस्थितियों में भाजपा का तीसरी सीट जीतना बेहद कठिन माना जा रहा है। ऐसे में पार्टी ने दो सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक और राजनीतिक संतुलन साधने की रणनीति अपनाई है।

अलका गुर्जर रह चुकी हैं मंत्री

अलका गुर्जर पूर्व में विधायक और मंत्री रह चुकी हैं। उनका परिवार लंबे समय से भाजपा से जुड़ा हुआ है। उनके पति डॉ. नाथू सिंह गुर्जर भी भाजपा सरकार में मंत्री रह चुके हैं तथा संगठन में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके हैं।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मंडावरा में आयोजित हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम

प्रभारी सचिव नवीन जैन एवं जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग रहे उपस्थित

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटीद्य

सुमेर मीणा । उपखंड क्षेत्र के मंडावरा में जिले में संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026 के तहत गुरुवार को उदयपुरवाटी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत मंडावरा में जिला स्तरीय कार्यक्र म का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं जिले के प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने की। कार्यक्र म में जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग, पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर, मुख्य वन संरक्षक सी.आर. मीणा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, अभियान के जिला समन्वयक विशंभर पूनिया, जिला संयोजक राकेश शर्मा, पुरुषोत्तम खाजपुरिया, वीरपाल सिंह शेखावत, अजय भालोटिया, अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। इसके बाद अतिथियों ने पौधारोपण किया। कार्यक्र म के अंत में प्रभारी सचिव ने उपस्थित जनसमूह को जल बचाने की शपथदिलवाई। वाटरशैड एसई मनोज गौड़ ने बताया कि इस दौरान अतिथियों ने जल संरक्षण के लिए निर्मित की जा रही एनिकट संरचना के कार्य का अवलोकन भी किया।

प्रभारी सचिव डॉ. नवीन जैन ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस महत्वपूर्ण अभियान में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के संरक्षण के लिए पेड़ लगाना और उनकी देखभाल करना हम सभी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जल संग्रहण और भूजल का पुनर्भरण (रिचार्ज) दोनों ही समान रूप से आवश्यक हैं। जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग ने कहा कि प्रकृति हमें ऑक्सीजन, सूर्य का प्रकाश और पानी जैसी अमूल्य सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराती है। इसलिए हमारा भी दायित्व है कि हम प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि यह केवल सरकारी अभियान नहीं है, बल्कि इसे जन-जन का अभियान बनाकर जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरण करना होगा। पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार जल संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या मातृशक्ति के लिए सबसे बड़ी समस्या है और संरक्षण के लिए वे ही सबसे महत्वपूर्ण कड़ी साबित होंगी। उन्होंने कहा कि बहते पानी को रुकना सिखाओ, चलते पानी को रेंगना सिखाओ, रेंगते पानी को ठहराना सिखाओ, जब जल ठहरेगा तभी भूमि में जाएगा और जल का स्तर पड़ेगा। इस दौरान जिला परिषद सीईओ पुरुषोत्तम धानका, एसीईओ रामनिवास चौधरी, उदयपुरवाटी एसडीएम सुमन सोनल, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा, पीएचईडी एसई राजपाल सिंह, एवीवीएनएल एसई महेश टीबड़ा, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक देवेंद्र चौधरी, एसीएफ हरेंद्र भाखर, जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह, जिला उद्योग केन्द्र महाप्रबंधक अभिषेक चोबदार समेत विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहें।

जय दयाल सैनी शेखावाटी संभाग संरक्षक नियुक्त

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

सूर्यवंशी क्षत्रिय महासभा रजि. राजस्थान, के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. महेश कुमार सैनी ने संगठन का विस्तार करते हुए जयदयाल सैनी पुत्र शिव नारायण सैनी वार्ड 17 झुंझुनू रोड़, कॉलेज मैदान के पास चिड़ावा झुंझुनू राजस्थान को शेखावाटी संभाग संरक्षक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पत्रकार सुभाष चौबदार प्रदेश मिडिया प्रभारी राजस्थान की अनुशंसा पर की गई। आपके सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पण को देखते हुए सूर्यवंशी क्षत्रिय महासभा राजस्थान की कार्यकारणी में जून 2026 से अगले दो साल के लिए ये नियुक्ति दी गई है। इन आशाओं के साथ आप आगे भी राष्ट्रहित और समाज हित में ईमानदारी से कार्य करेंगे। उनकी नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों व परिजनों ने शुभकामनाएं दीं।

युवाओं ने भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे स्टेशन पलसाना पर की जलसेवा

भीम प्रज्ञा न्यूज.पलसाना।

ग्राम गोरधनपुरा के युवाओं ने भीषण गर्मी को देखते हुए पलसाना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए जलपान की व्यवस्था की है। मनोज वर्मा ने बताया की इस तपती गर्मी के बीच यात्री बेहद व्याकुल है, उनके लिए ठंडा जलपान की व्यवस्था के लिए युवाओं ने स्टेशन पर जल सेवा की व्यवस्था की है इस दौरान महेन्द्र नुनीवाल, हरफूल कादिया, महेश पंडित, विकास, विजय काँवलिया, सुनील, अंकित, दिलीप, दिलीप, गोरधन, अजय दीपक, नरेन्द्र आदि मौजूद थे।

नांगल चौधरी में 15 जून से शुरू होगा मतदाता सूचियों का विशेष पुनरीक्षण अभियान

22 सितंबर को होगा अंतिम प्रकाशन- एसडीएम उदय सिंह

भीम प्रज्ञा न्यूज.नांगल चौधरी।

निर्वाचन विभाग के दिशा-निर्देशानुसार मतदाता सूचियों को शत-प्रतिशत त्रुटिहीन और अपडेटेड बनाने के लिए आगामी 15 जून से एक व्यापक विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इस दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर सर्वे करेंगे। निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम उदय सिंह ने आज अपने कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना और सूची को पूरी तरह शुद्ध बनाना है, ताकि आगामी समय में मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सकें। एसडीएम उदय सिंह ने बताया कि इस अभियान का पहला चरण 15 जून से शुरू होकर 14 जुलाई तक चलेगा। इस पूरी अवधि के दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और संबंधित मतदाताओं को एन्यूमरेशन फॉर्म वितरित करेंगे। इसके साथ ही मतदाताओं की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए 14 जुलाई तक क्षेत्र के मतदान केन्द्रों के रेशनलाइजेशन का कार्य भी पूरा कर लिया जाएगा। घर-घर सर्वे और मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रि या संपन्न होने के बाद, आगामी 21 जुलाई को मतदाता सूचियों का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया जाएगा। एसडीएम ने बताया कि प्रारंभिक प्रकाशन के साथ ही आम जनता से दावे और आपत्तियां प्राप्त करने का दौर शुरू होगा, जो 21 जुलाई से 20 अगस्त तक पूरे एक महीने चलेगा। इस अवधि में कोई भी नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने, हटवाने या किसी भी प्रकार के सुधार के लिए आवेदन कर सकेगा। प्रशासन की मुस्तैदी का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि दावों और आपत्तियों के प्राप्त होने के साथ ही उनके पारदर्शी निस्तारण की प्रक्रि या भी शुरू कर दी जाएगी, जो 18 सितंबर तक मुकम्मल कर ली जाएगी। इस पूरी शुद्धिकरण कवायद के बाद आगामी 22 सितंबर को मतदाता सूचियों का अंतिम व फाइनल प्रकाशन किया जाएगा। एसडीएम ने क्षेत्र के सभी नागरिकों और जागरूक मतदाताओं से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में बीएलओ का पूरा सहयोग करें। इस दौरान नायब तहसीलदार प्रवीण, डीपीओ अशोक, चुनाव कानूनगो पवन सहित क्षेत्र के कई वरिष्ठ पत्रकार भी मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

शहीद की प्रथम पुण्यतिथि व मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन आज

दलेलपुरा के गांव पदेवा में होगा कार्यक्रम का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.दलेलपुरा।

सुमेर मीणा । ग्रामपंचायत दलेलपुरा के गांव पदेवा में आज 5 जून 2026 को सुबह 10 बजे शहीद विजेन्द्र सिंह तेतरवाल की प्रथम पुण्यतिथि एवं मूर्ति अनावरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगाद्य प्राप्त समाचारों के अनुसार मूर्ति अनावरण समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष प्रेमसिंह बाजोर, विशिष्ट अतिथि खेतड़ी विधायक इंजी धर्मपाल गुर्जर, झुंझुनूं जिलाप्रमुख व बीजेपी झुंझुनूं जिला अध्यक्ष हर्षिनी अतुल कुमार व खेतड़ी पूर्व विधायक व पूर्व ऊर्जा मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह आदि अतिथिगण उपस्थित रहेंगे। समारोह की अध्यक्षता ग्राम पंचायत दलेलपुरा की प्रशासक झीमा देवी करेंगी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुबह 8 बजे से देशभक्ति गीत व शहीद की जीवनी सुरेश आर्य एंड पार्टी द्वारा पदेवा में आयोजित होने वाले कार्यक्र म में अधिक से अधिक संख्या में पहुँच कर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करे व समारोह की शोभा बढ़ाये।

नीमराना अभिभाषक संघ ने की मांग: रोजाना कोर्ट आने-जाने वाले वकीलों को रोडवाल टोल प्लाजा पर मिले छूट

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । हाल ही में शुरू हुए रोडवाल टोल प्लाजा पर स्थानीय अधिवक्ताओं को टोल से छूट देने की मांग को लेकर अभिभाषक संघ नीमराना ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा है। संघ के अध्यक्ष उदय सिंह यादव के नेतृत्व में दिए गए पत्र में वकीलों की परेशानियों का हवाला देते हुए टोल मुक्त करने की प्रार्थना की गई है। अभिभाषक संघ के पत्र क्रमांक 66/26 दिनांक 4 जून 2026 में कहा गया है कि रोडवाल टोल प्लाजा शुरू होने के बाद नीमराना, बहरोड़ और मांडण तहसील के अधिकांश अधिवक्ताओं को कोर्ट कार्य के लिए दिन में 3-4 बार चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। नीमराना कोर्ट परिसर और बहरोड़ कोर्ट परिसर में कार्यरत वकीलों को रोजाना टोल देना पड़ रहा है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। संघ ने मांग की है कि नीमराना, बहरोड़ और मांडण क्षेत्र में वकालत करने वाले लोकल अधिवक्ताओं को रोडवाल टोल प्लाजा पर टोल से मुक्त किया जाए। पत्र में कहा गया है कि यह छूट वकीलों के लिए अति आवश्यक है ताकि वे बिना आर्थिक दबाव के न्यायिक कार्य कर सकें। अभिभाषक संघ ने प्रशासन से इस समस्या पर शीघ्र विचार कर उचित समाधान निकालने की अपील की है। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि टोल छूट नहीं मिली तो वकीलों को पेशी और कोर्ट कार्य में दिक्कतें होंगी, जिससे आम जनता को भी परेशानी होगी।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

संयुक्त निदेशक डॉ. यदूराज सिंह ने किया बीडीके अस्पताल का निरीक्षण

एमसीएच विंग, रामाश्रय वार्ड और लू-तापघात वार्ड की व्यवस्थाओं की सराहना

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय भगवानदास खेतान (बीडीके) अस्पताल का गुरुवार को जयपुर संभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. यदूराज सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की विभिन्न चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लिया और उपलब्ध सेवाओं की सराहना की। संयुक्त निदेशक डॉ. यदूराज सिंह ने अस्पताल में प्रतिदिन आने वाली 2500 से 3000 मरीजों की ओपीडी को बेहतर चिकित्सा सेवाओं का संकेत बताया। उन्होंने एमसीएच विंग, रामाश्रय वार्ड एवं लू-तापघात वार्ड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही प्रसूताओं से बातचीत कर चिकित्सा सेवाओं के बारे में फीडबैक भी लिया।सूरजगढ़ निवासी प्रसूता विमला ने बताया कि अस्पताल में सामान्य प्रसव, जटिल एवं सिजेरियन प्रसव, ब्लड बैंक, प्लेटलेट्स तथा नवजात शिशुओं के लिए आईसीयू जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं, जिससे मरीजों को काफी राहत मिल रही है। डॉ. यदूराज सिंह ने लू-तापघात वार्ड का अवलोकन करते हुए आमजन में जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि

अस्पताल में लू-तापघात से बचाव और उपचार को लेकर नियमित मॉक ड्रिल तथा जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि जिले में पिछले पांच वर्षों के दौरान लू-तापघात से मृत्यु का आंकड़ा शून्य रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में प्रतिमाह 400 से 500 प्रसव तथा 100 से 150 नवजात शिशुओं का उपचार किया जाता है। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक ने अस्पताल के ऑक्सीजन प्लांट का भी निरीक्षण किया और उसे एकांतर रूप से संचालित करने के निर्देश दिए।

डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री आयुष्मान (मा) योजना की नियमित समीक्षा बैठक आयोजित करने तथा अधिकाधिक लोगों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना के तहत टीआईडी उत्पत्ति और शैय्या क्षमता को 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाने पर भी जोर दिया।निरीक्षण के दौरान डॉ. यदूराज सिंह ने कहा कि राज्यभर में ओडीके ऐप के माध्यम से निरीक्षण रिपोर्टिंग शुरू होने से चिकित्सा सेवाओं के सुदृढ़ीकरण में मदद मिली है तथा आमजन के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ और सुगम हुई हैं। इस अवसर पर पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू, आरएमओ डॉ. सिद्धार्थ शर्मा, फिजिशियन डॉ. महेंद्र सानेल, डॉ. संदीप नेमीवाल, डॉ. नावेद अख्तर, डॉ. राकेश कुमार, नर्सिंग अधीक्षक ओमप्रकाश, सुरेश मील, किरण एवं सरिता सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

भामाशाहों के सहयोग की सराहना

निरीक्षण के दौरान अस्पताल में भामाशाहों के सहयोग से लगाए गए 21 जंबो कूलरों का भी अवलोकन किया गया। डॉ. यदूराज सिंह ने इसे मरीजों की सेवा के लिए अनुकरणीय एवं प्रेरणादायक पहल बताते हुए इसकी सराहना की।

मई में सौर ऊर्जा की चमक, प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सोलर इंस्टॉल

जयपुर अव्वल, सीकर चौथे स्थान पर; एक माह में सर्वाधिक सब्सिडी और निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज.श्रीमाधोपुर।

प्रदूषण रहित ऊर्जा को बढ़ावा देने वाली प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में मई माह के दौरान रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद किसी एक माह में यह सर्वाधिक इंस्टॉलेशन है। बिजली बिल में बचत और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में उपभोक्ताओं का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। डिस्कॉमवार आंकड़ों में जोधपुर डिस्कॉम सबसे आगे रहा, जहां 9,316 उपभोक्ताओं ने अपने घरों की छतों पर सौर संयंत्र लगाए। इसके बाद जयपुर डिस्कॉम में 9,204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाए हैं। जिलों की बात करें तो जयपुर 5,484 इंस्टॉलेशन के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद श्रीगंगानगर में 3,264, हनुमानगढ़ में 2,084, सीकर में 1,606 तथा झुंझुनूं में 1,534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए गए। योजना को गति देने के लिए मई माह में डिस्कॉम कार्मिकों ने 27,700 से अधिक आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया, जो किसी भी माह में सर्वाधिक हैं। इसी अवधि में रिकॉर्ड 31,437 उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि भी जारी की गई। साथ ही 177 नए वेंडरों को योजना से जोड़ा गया। प्रदेश में अब तक इस योजना के तहत करीब 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। लाभार्थियों के खातों में केंद्र सरकार की ओर से लगभग 1,460 करोड़ रुपये की सब्सिडी भी हस्तांतरित की जा चुकी है।

बची हुई बिजली सरकार को बेचें

रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर सब्सिडी दी जा रही है। इस योजना की सबसे खूबसूरत बात यह है कि उपभोक्ता अब केवल कंज्यूमर नहीं बल्कि प्रोड्यूसर बन गए हैं। घरेलू आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद जो बिजली बच जाएगी, उसे उपभोक्ता ग्रिड को बेच सकते है। बची हुई बिजली का भुगतान सीधे उपभोक्ता को किया जाता है। सोलर एनर्जी पर्यावरण के लिए भी वरदान साबित हो रही है।

- नीरू हलवाई, श्रीमाधोपुर

एसआईआर को लेकर एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस : 15 जून से शुरू होगा मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान

1 जुलाई को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा बन सकेंगे मतदाता

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूचियों को पूरी तरह शुद्ध और अद्यतन बनाने के लिए आगामी 15 जून से एक विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू होने जा रहा है। इसके साथ ही मतदान केंद्रों का युक्तिकरण भी किया जाएगा। यह जानकारी कनीना व अटेली विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन पंजीयन अधिकारी एवं एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने आज अपने कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे और कोई भी अपात्र व्यक्ति इस

सूची में शामिल न हो पाए, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता सूची का पारदर्शी और सटीक होना बेहद जरूरी है। अभियान के नियमों और समय-सारणी पर प्रकाश डालते हुए एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि इस विशेष पुनरीक्षण अभियान के लिए 1 जुलाई को अर्हता तिथि (क्वालीफाइंग डेट) निर्धारित किया गया है। इसका सीधा मतलब यह है कि जो भी नागरिक आगामी 1 जुलाई को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के हकदार होंगे। उन्होंने बताया कि अभियान का प्रारंभिक चरण 5 जून से 14 जून तक चलेगा, जिसमें बीएलओ, निर्वाचन अधिकारियों और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई तक सभी बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे, एन्यूमरेशन फॉर्म भरेंगे और विवरण अपडेट करेंगे। इस दौरान नए पात्र मतदाताओं को फॉर्म-6 भी उपलब्ध कराया जाएगा, जबकि लोग खुद भी वोटर्स ऑनलाइन पोर्टल के जरिए आवेदन कर सकते हैं। एसडीएम ने बताया कि घर-घर सर्वे के दौरान मृत, स्थानांतरित या अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने तथा जरूरी संशोधन करने की प्रक्रिया भी पूरी की जाएगी। इसके साथ ही मतदान केंद्रों का युक्तिकरण (रेशनलाइजेशन) भी किया जाएगा ताकि किसी भी बूथ पर मतदाताओं की संख्या तय सीमा से अधिक न हो और एक ही परिवार के सदस्यों के वोट एक ही पोलिंग बूथ पर रहें। इस पूरी प्रक्रिया के बाद 21 जुलाई को प्रारूप (ड्राफ्ट) मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा, जिसके बाद 21 जुलाई से 20 अगस्त तक आम जनता से दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। प्राप्त आवेदनों का 18 सितंबर तक पूरी पारदर्शिता से निस्तारण कर आगामी 22 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मुक्तिधाम में चला श्रमदान अभियान

जल संरक्षण और पर्यावरण बचाओ का दिया संदेश

शिक्षा विभाग ने मुक्तिधाम में श्रमदान, जल कुंडों की सफाई, व परिंडे और चुग्गा पात्र लगाकर कर दिया संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । राजस्थान सरकार द्वारा चलाए जा रहे "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" के तहत बुधवार को मंडावा में जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुकुंदगढ़ रोड स्थित मुक्तिधाम परिसर में आयोजित इस अभियान में शिक्षा विभाग एवं ब्लॉक शिक्षा विभाग मंडावा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान कर स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक शिक्षा अधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में मुक्तिधाम परिसर में स्थित जल कुंडों की साफ-सफाई की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान करते हुए परिसर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया तथा आमजन को जल बचाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अभियान के अंतर्गत भीषण गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे एवं चुग्गा पात्र भी लगाए गए। उपस्थित लोगों ने पक्षियों के लिए नियमित रूप से पानी और दाने की व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प लिया। इस पहल को मानवीय संवेदनाओं और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय कदम माना गया। इसके साथ ही मुक्तिधाम परिसर में वृक्षारोपण, स्वच्छता और "शहर संभाल"

अभियान से संबंधित गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण सुरक्षा को लेकर सामूहिक संकल्प लिया। अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान सरकार द्वारा संचालित "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान" का मुख्य उद्देश्य आमजन में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना, वर्षा जल के संरक्षण को प्रोत्साहित करना तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। जनभागीदारी से आयोजित इस अभियान ने समाज में जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति सकारात्मक संदेश देने का कार्य किया। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

तेज आंधी-बारिश से मौसम हुआ सुहावना, भीषण गर्मी से लोगों को मिली राहत

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली और नीमराना व आसपास के पूरे क्षेत्र में तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। आसमान में काले बादल छाए और तेज हवाओं ने धूल का गुबार उड़ा दिया। करीब 20-25 मिनट तक चले इस तूफान के बाद इलाके का तापमान अचानक गिर गया और

मौसम खुशनुमा हो गया। पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और लू से परेशान लोगों को इस बारिश ने बड़ी राहत दी। बाजारों में बैठे दुकानदार, राहगीर और औद्योगिक क्षेत्र में काम कर रहे श्रमिकों के चेहरे खिल उठे। बच्चे बारिश का आनंद लेने सड़कों पर निकल आए। किसानों ने भी इस बरसात को फसलों के लिए फायदेमंद बताया। मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के कारण क्षेत्र में आंधी-बारिश की गतिविधियां शुरू हुई हैं। तेज हवाओं के कारण कुछ जगहों पर पेड़ों की टहनियां टूटने और होर्डिंग्स हिलने की खबरें हैं, लेकिन कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। आईएमडी ने अगले 24 घंटे तक हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चलने का अनुमान जताया है। बारिश के बाद नीमराना का मौसम ठंडा हो गया है और लोगों ने राहत की सांस ली है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी से बेहाल थे, अब मौसम एकदम सुहावना हो गया है।

अंतर्राष्ट्रीय निर्दोष बाल पीड़ित दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज.सीकर।

राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह, बाल अधिकारिता विभाग, पालवास रोड़, सीकर परिसर में अंतर्राष्ट्रीय निर्दोष बाल पीड़ित दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल बृजेन्द्र सिंह रूलानियों, परमजीत सिंह एसीएडीसी, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अंकुर बहड़, सदस्य बिहारी लाल बालान, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य सरोज देवी, गृह काउंसलर धर्मपाल जाट सहित विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बृजेन्द्र सिंह रूलानियों ने कहा कि यह दिवस केवल स्मरण का अवसर नहीं, बल्कि मानवता को अपनी जिम्मेदारियों का अहसास कराने का भी अवसर है। उन्होंने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा एवं उनके समग्र विकास के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक बताई। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अंकुर बहड़ एवं सदस्य बिहारी लाल बालान ने कहा कि बाल श्रम, मानव तस्करी तथा शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न जैसे अपराधों की रोकथाम के लिए कठोर कानूनों के साथ-साथ उनके प्रभावी क्रियान्वयन एवं सामाजिक जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है।

राजकीय सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह की अधीक्षक रूकमणी गढ़वाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं न्यायविदों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने किशोर बालकों को शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सम्मान के साथ जीवन जीने तथा भविष्य में अपराध की पुनरावृत्ति नहीं करने की शपथ दिलाई। साथ ही किशोरों के प्रति प्रेम, करुणा एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन सोशल वर्कर देवीलाल जाट द्वारा किया गया।

चिड़ावा गौशाला में जल खेळ का निर्माण, कुलभूषण और डॉ. उत्तम ने दादा-दादी की स्मृति में पेश की सेवा की मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

स्थानीय कृष्ण गौशाला में सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को चरितार्थ करते हुए एक सराहनीय पुण्य कार्य किया गया है। गौशाला के व्यवस्थापक सुरेश शर्मा के सुपुत्रों कुलभूषण शर्मा और डॉ. उत्तम शर्मा ने अपने दादा-दादी की पुण्य स्मृति में गौमाता के लिए जल की खेळ का निर्माण करवाया है। यह जल सेवा महावीर प्रसाद शर्मा (थानेदार) और सौभाग्यवती शर्मा की पवित्र याद में समर्पित की गई है, जिसे 'सौभाग्य जल सेवा' (सन 2026) का नाम दिया गया है। गौशाला प्रांगण में इस खेल के बनने से यहाँ रहने वाले गौवंश के लिए पेयजल व्यवस्था में बड़ा सुधार होगा और उन्हें भीषण गर्मी में काफी राहत मिलेगी। बेजुबान पशुओं की प्यास बुझाने के इस पुनीत कार्य की क्षेत्र में काफी सराहना हो रही है।

गौवंश के लिए जल सेवा का यह कार्य अत्यंत अनुकरणीय और सराहनीय है। इस पुनीत कार्य और सहयोग के लिए कृष्ण गौशाला समिति शर्मा परिवार का हार्दिक आभार व्यक्त करती है। हमारी यही प्रार्थना है कि गौमाता की कृपा और आशीर्वाद इस परिवार पर हमेशा बना रहें।

कृष्ण गौशाला समिति, चिड़ावा

खेतड़ी में 'श्री सोलर इनोवेशन' का भव्य उद्घाटन: भाजपा नेता कैलाश मेघवाल ने काटा फीता

अत्याधुनिक सोलर तकनीकी से क्षेत्र को मिलेगी नई ऊर्जा

भीम प्रज्ञा न्यूज़. खेतड़ी।

खेतड़ी शहर के एसबीआई एडीएम के पास, निजामपुर मोड़ पर स्थित 'श्री सोलर इनोवेशन' प्रतिष्ठान का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश मेघवाल रहे, जिन्होंने फीता काटकर विधिवत रूप से इस नए ऊर्जा केंद्र का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत में श्री सोलर इनोवेशन के प्रोपराइटर (मालिक) रजनीश कुमार ने मुख्य अतिथि कैलाश मेघवाल सहित आए हुए सभी विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण कर और साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत व अभिनंदन किया। उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में सौर ऊर्जा (सोलर एनर्जी) न केवल बिजली

के बिल से राहत पाने का सबसे बेहतरीन जरिया है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण के लिए भी बेहद जरूरी है। 'श्री सोलर इनोवेशन' के खुलने से खेतड़ी और आस-पास के क्षेत्र के लोगों को अब एक ही छत के नीचे बेहतरीन और अत्याधुनिक सोलर उत्पाद व सेवाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर चरणसिंह, रजनीश कुमार (प्रोपराइटर), विजय सिंह मोई, सूरजसिंह खानपुर, प्रतापसिंह (अधिवक्ता), अनिल गोयल, सत्यवीर गोयल, जगदीश गुर्जर, नेकी गुर्जर, रजनीश कुमार अमित गोदारा, रमेश कटेवा, डॉ. जितेंद्र, मनीष योगी, मुरली सैनी, शेरसिंह बोहरा सहित भारी संख्या में स्थानीय लोग और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने प्रोपराइटर राकेश कुमार को इस नई शुरुआत के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुंडनवाड़ा कला में दिनदहाड़े चोरी: परचूनी दुकान से 20 हजार नकद और मोबाइल उड़ाया, पूरी वारदात CCTV में कैद

भीम प्रज्ञा न्यूज.मुंडावर।

रमेशचंद । उपखंड क्षेत्र के ग्राम मुंडनवाड़ा कला में गुरुवार को दिनदहाड़े चोरी की वारदात से हड़कंप मच गया। बारिश के बीच एक अज्ञात युवक ने परचूनी की दुकान को निशाना बनाकर गल्ले से नकदी और मोबाइल पार कर दिया। जानकारी के अनुसार सुबह करीब 11 बजे एक युवक बाइक पर सवार होकर दुकान के पास पहुंचा। दुकानदार संदीप कुमार यादव के अनुसार, युवक ने बारिश का फायदा उठाते हुए मौके का इंतजार किया और काउंटर में हाथ डालकर गल्ले में रखे करीब 20 हजार रुपये नकद तथा एक मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पूरी घटना दुकान में लगे

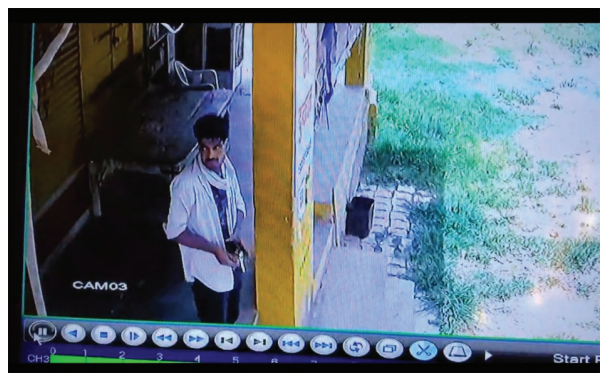

सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है, जिसमें संदिग्ध का चेहरा साफ दिख रहा है। घटना का पता चलते ही आसपास के लोगों में सनसनी फैल गई। पीड़ित दुकानदार संदीप ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले लिए हैं और अज्ञात चोर की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। पुलिस का कहना है कि फुटेज के आधार पर आरोपी की जल्द ही तलाश कर ली जाएगी।

खैराना गांव में नोकिया स्मार्टपुर केंद्र पर सामाजिक सुरक्षा एवं जागरूकता शिविर का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । ग्राम खैराना में नोकिया सीएसआर परियोजना के अंतर्गत ऋचा संस्था द्वारा संचालित स्मार्टपुर केंद्र पर सामाजिक सुरक्षा एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि विकास अधिकारी (पौधा संरक्षण) डॉ. सुधीर यादव तथा महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रतिनिधि सुश्री पूजा खींची उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रतिनिधि पूजा खींची ने महिलाओं एवं ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं तथा सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने दहेज प्रथा उन्मूलन, 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों के पंजीकरण, बाल विवाह निषेध, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना, आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट), लाडली योजना तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कृषि विकास अधिकारी (पौधा संरक्षण) डॉ. सुधीर यादव ने किसानों एवं ग्रामीण युवाओं को कृषि क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और आधुनिक तकनीकों की जानकारी दी। उन्होंने किसान पहचान पत्र, मेरी फसल मेरा ब्यौरा, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, आधुनिक कृषि ढांचों एवं तकनीकों के उपयोग, कृषि को रोजगार एवं आजीविका के सशक्त साधन के रूप में अपनाने तथा डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने युवाओं एवं किसानों को डिजिटल शिक्षा और तकनीकी साधनों का उपयोग कर कृषि क्षेत्र में नई संभावनाएं तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में ग्राम खैराना के सरपंच, गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन तथा ऋचा संस्था की हरियाणा राज्य टीम के सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर स्मार्टपुर परियोजना के उद्देश्यों, डिजिटल सेवाओं तथा ग्रामीण समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में इसकी भूमिका के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। उपस्थित ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं के संबंध में अपने प्रश्नों का समाधान प्राप्त किया तथा ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन के लिए ऋचा संस्था एवं संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया।

संतों के विचारों और दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही समाज का कल्याण संभव है- केबीनेट मंत्री जोराराम कुमावत

महंत गुलाब जति महाराज की 8वीं बरसोदी पर शिवमठ धाम गाडोदा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

बाबूलाल सैनी । प्रसिद्ध आध्यात्मिक सिद्धपीठ, शिवमठ धाम गाड़ोदा में गुरुवार को ब्रह्मलीन परम पूज्य महंत गुलाब जति महाराज की 8वीं बरसोदी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर मठ परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, संतों का समागम और विशाल भजन संध्या व भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें हज़ारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।कार्यर म में मुख्य अतिथि राजस्थान के गोपालन, देवस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का मठ के पीठाधीश्वर महावीर जति महाराज और आयोजन समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मंत्री कुमावत ने सिद्धपीठ पर मत्था टेककर देश–प्रदेश के नागरिकों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने उपस्थित सभी सिद्ध संतों का चरण वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।आयोजित आध्यात्मिक महोत्सव में सनातन धर्म के कई प्रख्यात संत और जनप्रतिनिधि एक मंच पर नज़र आए। कार्यर म में तारा तरा मठ के महंत एवं पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि गोपालन, देवस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री जोराराम

कुमावत ने उपस्थित जनसमुदाय और संतों को संबोधित करते हुए सनातन संस्कृति और गौ-सेवा के महत्व पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि "शिवमठ धाम गाड़ोदा की यह पावन धरा परम पूज्य ब्रह्मलीन महंत गुलाब महाराज की तपस्या से पवित्र है। ऐसे महान संतों के विचारों और दिखाए मार्ग पर चलकर ही समाज का कल्याण संभव है। कुमावत ने कहा कि "सनातन धर्म हमारी पहचान और जीवन जीने की कला है। आज के आधुनिक युग में हमें अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए।हमारी सरकार और हमारा समाज सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी तरह संकल्पित है।गोपालन, देवस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि "गाय केवल एक पशु नहीं है, वह हमारी माता है और सनातन संस्कृति का मूल आधार है। गोपालन और गौ-संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का परम कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देवस्थान और गोपालन मंत्री होने के नाते मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि राज्य सरकार प्रदेश की गौशालाओं की आत्मनिर्भरता और गौवंश की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठा रही है।"गोपालन, देवस्थान, पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि "हमें अपनी युवा पीढ़ी को संतों के सान्निध्य में लाकर उन्हें नैतिक मूल्यों और गौ-सेवा के संस्कारों से जोड़ना होगा। जब तक हमारी संस्कृति सुरक्षित है, तब तक देश सुरक्षित है। संबोधन के पश्चात कुमावत को मठ की ओर से स्मृति चिह्न और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।इस दौरान शिवमठ धाम के मठाधीश महावीर जति महाराज,बुद्धगिरी मंडी फतेहपुर के पीठाधीश्वर दिनेश गिरी महाराज, पूज्य अवधेशाचार्य महाराज, लोहागर्ल धाम, विष्णु पर्पणाचार्य महाराज, डीडवाना धाम ने मंच की शोभा बढ़ाई।भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़, दांतारामगढ़ के भाजपा प्रत्याशी गजानंद कुमावत, सुजानगढ़ की भाजपा प्रत्याशी संतोष मेघवाल, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी लक्ष्मणगढ़, सीकर व्यापार मण्डल के अध्यक्ष दयाल सिंह शेखावत, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ईश्वर सिंह राठौड़ सहित क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

नशा तस्करों व अपराधियों पर फतेहाबाद पुलिस का बड़ा प्रहार, मई में 209 अपराधी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । अपराध एवं नशा मुक्त समाज के निर्माण के संकल्प को साकार करने की दिशा में फतेहाबाद पुलिस ने मई माह के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए 209 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर के नेतृत्व में चलाए गए विशेष अभियान के तहत नशा तस्करों, संपत्ति अपराधियों, साइबर ठगों, अवैध हथियार रखने वालों तथा अन्य आपराधिक तत्वों के खिलाफ सघन अभियान चलाया गया।पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार मई माह में एनडीपीएस एक्ट के 59 मामलों में 76 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 4.59 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए गए तथा कमर्शियल मात्रा के सात बड़े मामले उजागर किए गए। नशे के अवैध कारोबार से अर्जित संपत्तियों पर भी कार्रवाई करते हुए तीन बड़े तस्करों की 23 लाख रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति कुर्क करवाई गई। इसके अलावा पुलिस ने चोरी, साइबर

अपराध, अवैध हथियार, जुआ-सट्टा और फरार अपराधियों के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाकर कई मामलों का खुलासा किया। पुलिस की इस कार्रवाई से अपराधियों के आर्थिक नेटवर्क को भी करारा झटका लगा है।पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने कहा कि जिले में अपराध और नशे के कारोबार को किसी भी कीमत पर पनपने नहीं दिया जाएगा। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त और प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी। फतेहाबाद पुलिस अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जन-जागरूकता पर भी विशेष ध्यान दे रही है। जिले के स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर अपराधों और सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य सुरक्षित, स्वस्थ और नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने में राजनीतिक दल निभाएं सक्रिय भूमिका: डॉ. जितेन्द्र सिंह

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.कनीना।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज निर्वाचन पंजीयन अधिकारी (ईआरओ) एवं उपमंडल अधिकारी (ना.) कनीना डॉ. जितेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को पुनरीक्षण कार्यर म की समय-सारिणी, पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार, स्थानांतरण तथा मृत मतदाताओं के नाम हटाने संबंधी प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता

सूची में शामिल करना तथा मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध एवं अद्यतन बनाना है। इस कार्य में राजनीतिक दलों की सक्रि य भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से बीएलए -1 एवं बीएलए -2 नियुक्त करने का अनुरोध किया ताकि बीएलए के माध्यम से मतदाता सूची के सत्यापन कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।उपमंडल अधिकारी ने अवगत कराया कि कोई भी बीएलए प्रारूप प्रकाशन से पहले बीएलओ के पास प्रतिदिन 50 गणना प्रपत्र तक जमा करवा सकेगा और उसके बाद दावे तथा आपत्तियों की अवधि के दौरान प्रतिदिन 10 व पूर्ण अवधि के दौरान कुल 30 दावे तथा आपत्तियों के फॉर्म जमा करवा सकेगा। इस अवसर पर निर्वाचन कानूनगो पूनम, भाजपा विधानसभा बीएलए राजेन्द्र, इनेलो हल्का प्रधान कर्ण सिंह, कांग्रेस ब्लॉक प्रधान रतन सिंह और जेजेपी से विनय यादव उपस्थित रहें।

एक सप्ताह से पेयजल आपूर्ति ठप, महिलाओं ने नेशनल हाईवे-311 पर लगाया जाम

भीम प्रज्ञा न्यूज.खेतड़ी।

खेतड़ी क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोठड़ा के वार्ड संख्या 5 स्थित रामदेव मोहल्ला में पिछले एक सप्ताह से पेयजल आपूर्ति बंद रहने से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा गुरुवार को सड़क पर फूट पड़ा। पेयजल संकट से जूझ रही सैकड़ों महिलाओं ने शहीद स्मारक के पास नेशनल हाईवे-311 पर जाम लगाकर प्रशासन और जलदाय विभाग के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं का कहना था कि पिछले एक सप्ताह से मोहल्ले में पानी की सप्लाई पूरी तरह बंद है। इससे लोगों को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। घरों में दैनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं और भीषण गर्मी के बीच स्थिति और भी गंभीर हो गई है। महिलाओं ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों को शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया, जिसके चलते उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा। महिलाओं ने हाईवे पर बैठकर नारेबाजी की और जल्द पेयजल आपूर्ति बहाल करने की मांग की।

अचानक हाईवे जाम होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह प्रभावित रहा, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम की सूचना मिलते ही खेतड़ीनगर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें शांत करने की कोशिश की। इसी दौरान सरपंच प्रतिनिधि हरिराम गुर्जर भी मौके पर पहुंचे और महिलाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। बाद में जलदाय विभाग के एईएन दौलतराम एवं श्रद्धा धवन भी घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि पेयजल आपूर्ति बाधित होने के कारणों की जांच कर जल्द ही नियमित जलापूर्ति शुरू कर दी जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद महिलाओं ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया और करीब एक घंटे बाद हाईवे से जाम हटा लिया, जिसके बाद यातायात व्यवस्था पुनः सामान्य हो सकी।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही पेयजल आपूर्ति नियमित नहीं की गई तो वे दोबारा बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग करते हुए कहा कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में क्षेत्र को पेयजल संकट का सामना करना पड़ता है, लेकिन इसके बावजूद समस्या के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। ग्रामीणों की मांग है कि क्षेत्र में नियमित और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को मूलभूत सुविधा के लिए सड़क पर उतरकर संघर्ष न करना पड़े।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुजापुर में प्रवेश प्रक्रिया, 15 तक

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सुजापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 शुरू हो गया है। संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया 2 जून से शुरू हो गई है। प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी विनोद खनगवाल ने बताया कि अभ्यर्थी 15 जून तक ऑनलाइन माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते है। आवेदन औद्योगिक संस्थान के पोर्टल पर सकते है। प्राचार्य ने बताया हैं कि संस्थान में कंप्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, सेविंग टेक्नोलॉजी, वेल्डर, फिटर, इलेक्ट्रिशन, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल, हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर, स्टेनो हिन्दी, मशिनिस्ट, टर्नर, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग व्यवसायों में कुल 236 सीटों पर दाखिला होने हैं। जिनमें ट्रेड कंप्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट-24, हेल्थ सेनेटरी इन्स्पेक्टर-24, मशिनीष्ट-20, सेविंग टेक्नोलॉजी-20, सोलर टेक्निशियन इलेक्ट्रिकल- 20, स्टेनो हिन्दी- 24, वेल्डर- 20, टर्नर-20, रेफ्रीजरेशन एण्ड एयर कंडीशनिंग- 24 सीटों पर दाखिला ले सकते हैं। प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए आईटीआई सुजापुर में दाखिला हेल्प डेस्क से लें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर माली सैनी समाज संस्था का संकल्प: जिलेभर में लगाए जाएंगे 31 हजार पौधे

पांच चरणों में चलेगा वृक्षारोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तीन पर्यावरण प्रेमियों का होगा सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

माली सैनी समाज संस्था, झुंझुनूं द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिलेभर में 31 हजार पौधे लगाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह अभियान विभिन्न सामाजिक संगठनों, पर्यावरण प्रेमियों एवं जागरूक नागरिकों के सहयोग से पांच चरणों में संचालित किया जाएगा। संस्था के मीडिया प्रभारी नरेश बगड़ ने बताया कि माली सैनी समाज संस्था, झुंझुनूं का गठन 24 जून 2024 को हुआ था। संस्था की बागडोर प्रथम जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री को सौंपी गई थी। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने प्रत्येक वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया था।इसी संकल्प के तहत वर्ष 2024 में 11 हजार तथा वर्ष 2025 में 21 हजार पौधे लगाए गए थे। अब वर्ष 2026 में जिलेभर में 31 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर जिले को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाना है। संस्था द्वारा इस वर्ष भी वृक्षारोपण अभियान को पांच चरणों में संचालित किया जाएगा। प्रथम चरण विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून 2026), द्वितीय चरण विश्व योग दिवस (21 जून), तृतीय चरण विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई), चतुर्थ चरण विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस तथा पंचम चरण अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस (12 अगस्त) के अवसर पर आयोजित किया जाएगा। इन चरणों के माध्यम से 31 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा।

तीन पर्यावरण प्रहरी होंगे वृक्ष मित्र पुरस्कार से सम्मानित

विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यर म में विगत वर्ष लगाए गए पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन में श्रेष्ठ कार्य करने तीन पर्यावरण प्रेमियों को वृक्ष मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इनमें चिड़ावा के सेवानिवृत्त एसआई बाबूलाल सैनी, सिंघाना के हरि सिंह सैनी तथा उदयपुरवाटी के मूलचंद सैनी सैनी शामिल हैं। संस्था की ओर से उन्हें प्रशस्ति पत्र,साफा, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया जाएगा।संस्था ने जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों, युवाओं एवं आम नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण अभियान से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण की इस मुहिम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

हेरोइन तस्करी मामले में एक अन्य सह आरोपी काबू मामले में पहले ही दो आरोपियों को किया जा चुका है काबू

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । थाना शहर टोहाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए आजाद नगर टोहाना के वार्ड नंबर 13 निवासी मनीष पुत्र सुभाष को सह आरोपी के रूप में काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 31 मई 2026 को सीआईए टोहाना ने गुप्त सूचना के आधार पर नया बाईपास टोहाना स्थित लोहा नहर पुल के पास छापेमारी कर गुप्ता कॉलोनी टोहाना निवासी संजय उर्फ संजू पुत्र जरनैल सिंह को काबू किया था। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 6.88 ग्राम हेरोइन तथा 36 डिब्बों में पैक कुल 10,800 प्रतिबंधित नशीली कैप्सूल बरामद हुई थीं। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 159 दिनांक 31.05.2026 के तहत धारा 21B, 61, 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मनीष पुत्र सुभाष की संलिप्तता सामने आने पर उसे काबू कर लिया गया। निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि मामले में दो आरोपियों को पहले ही काबू किया जा चुका है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में जांच जारी है।

जनसमस्याओं के समाधान को लेकर प्रशासन गंभीर: आकाश शर्मा

टोहाना समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों की शिकायतों पर हुई सुनवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । नागरिकों की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के जनहितैषी दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर आमजन और प्रशासन के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। यह बात एसडीएम आकाश शर्मा ने गुरुवार को लघु सचिवालय स्थित कार्यालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनने के दौरान कही।एसडीएम आकाश शर्मा ने शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। शिविर में विद्युत विभाग, सिंचाई विभाग तथा परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) से संबंधित कुल पांच शिकायतें एवं आवेदन प्राप्त हुए, जिन्हें संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजते हुए निर्धारित समय सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविरों का उद्देश्य आमजन को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत प्रदान करना है।प्रशासन यह सुनिश्चित

कर रहा है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समय पर मिले तथा उसकी शिकायत का प्रभावी समाधान हो। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों की गहनता से जांच कर उनका निर्धारित समयावधि में निपटान किया जाए। किसी भी शिकायत को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए, ताकि नागरिकों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि शिविर में परिवार पहचान पत्र में आय संशोधन, नए सदस्यों के पंजीकरण, राशन कार्ड, बिजली तथा पुलिस विभाग से संबंधित मामलों का भी समाधान किया जा रहा है। आकाश शर्मा ने क्षेत्रवासियों से कहा कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए समाधान शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक सोमवार और वीरवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किए जाते हैं, जहां आमजन की शिकायतें सुनकर उनके समाधान की दिशा में तत्काल कार्रवाई की जाती है।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत के प्रयास रंग लाए, मेडिकल कॉलेज को मिलेगा राव तुलाराम का नाम

दादरी मेडिकल कॉलेज का नामकरण में राव तुलाराम के नाम पर हमारी आने वाली पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास से जोड़ेगा

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । चरखी दादरी में निर्माणाधीन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी राव तुलाराम के नाम पर रखे जाने की घोषणा पर मार्केट कमेटी अटेली के चेयरमैन दिनेश जैलदार ने गहरी खुशी जताई है। उन्होंने इसके लिए विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार प्रकट किया है। दिनेश जेलदार ने प्रेस को को जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के लगातार और भगीरथ प्रयासों के कारण ही यह ऐतिहासिक मांग पूरी हो सकी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास के लिए आगे भी इसी तरह के जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे। स्वास्थ्य क्षेत्र में 104.16 करोड़ के विकास कार्य शुरू, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए करीब 104.16 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्य शुरू किए गए हैं। सरकार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उनके घर के पास ही मिल सकें। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती देने के लिए 15वें वित्त आयोग के तहत प्रदेश में 766 स्वास्थ्य संस्थानों के निर्माण को हरी झंडी दे दी है। दिनेश जेलदार चेयरमैन मार्केट कमेटी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के नेतृत्व में हरियाणा का स्वास्थ्य तंत्र बेहद मजबूत हो रहा है। राव तुलाराम के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नामकरण हमारी आने वाली पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास से जोड़ेगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण आम व खास को सूचित किया जाता है कि मैं कृष्णा देवी पत्नी स्व. लक्ष्मीनारायण, जाति अहीर, निवासी जयसिंहपुरा, पोस्ट सुलताना अहीरान, तहसील बुहाना, जिला झुंझुनूं (राजस्थान) यह घोषित करती हूँ कि मेरे स्व. पति के नाम से एक बोलेरो वाहन पंजीकरण संख्या RJ18B3895, इंजन नं. GRK4A77751, चैसिस नं. MA1XH2GRKK5A11204, मॉडल वर्ष 2019 पंजीकृत था, जिनका निधन दिनांक 24.03.2025 को हो चुका है।
अब उक्त वाहन को मेरे नाम स्थानांतरित करवाया जाना प्रस्तावित है, जिस पर मेरे पति के सभी विधिक उत्तराधिकारियों की पूर्ण सहमति है तथा किसी को कोई आपत्ति/दावा नहीं है।
यदि किसी व्यक्ति, संस्था अथवा अन्य पक्षकार को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो वे इस सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर लिखित रूप में सूचित करें, अन्यथा भविष्य में कोई दावा मान्य नहीं होगा।

स्थानः बुहाना
दिनांकः 04-06-2026

कृष्णा देवी
(हस्ताक्षर)

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतंत्र को और मजबूत बनाएगा: एडीएम आकाश शर्मा आईएएस

एसआईआर अभियान को लेकर एसडीएम ने बीएलओ और सुपरवाइजर्स की समीक्षा बैठक ली

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हरियाणा में शुरू किए जा रहे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर एसडीएम आकाश शर्मा ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और सुपरवाइजर्स की समीक्षा बैठक ली। बैठक में अभियान की तैयारियों, प्रशिक्षण कार्यस्र म तथा घर-घर सत्यापन कार्य की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूत आधारशिला होती है। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य एक ऐसी शुद्ध, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना है, जिसमें कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे तथा किसी भी अपात्र या फर्जी व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत 5 जून से 14 जून तक बीएलओ और संबंधित कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं अन्य प्रशासनिक तैयारियां पूरी की जाएंगी।

इसके बाद 15 जून से 14 जुलाई 2026 तक घर-घर जाकर सत्यापन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान बीएलओ प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध करवाएंगे, जिन्हें भरने के बाद संबंधित नागरिकों को रसीद भी दी जाएगी। यह प्रपत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध रहेंगे।

एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान को पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंट्स का भी सहयोग लिया जाएगा, जिससे जमीनी स्तर पर किसी प्रकार का भ्रम या विवाद उत्पन्न न हो।

एसडीएम ने आमजन से सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने की अपील

एसडीएम आकाश शर्मा ने 15 जून 2026 से 14 जुलाई 2026 तक चलने वाले इस कार्य मे सहयोग के लिए आमजन से अपील करते हुए कहा कि जब बीएलओ सत्यापन के लिए उनके घर पहुंचे तो उन्हें सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। साथ ही परिवार अथवा आसपास के मृत, स्थानांतरित या अन्य अपात्र मतदाताओं की जानकारी प्रशासन को दें।एसडीएम ने विशेष रूप से अभिभावकों से आग्रह किया कि 1 जुलाई 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेज और दो पासपोर्ट साइज फोटो उपलब्ध करवाएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित न रहें।

टोहाना सीआईए की कार्रवाई : 62 बोतल अवैध देशी शराब सहित आरोपी काबू

भाखड़ा नहर पटरी पर गश्त के दौरान की गई कार्रवाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना।

रजत विजय रंगा । सीआईए टोहाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लोहाखेड़ा निवासी अमरीक सिंह उर्फ बिक्का पुत्र जग्गा सिंह को 62 बोतल अवैध देशी शराब सहित काबू किया है। सीआईए टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि 03 जून 2026 को पुलिस टीम गश्त एवं अपराध जांच के दौरान भाखड़ा नहर पटरी मार्ग पर गांव लोहाखेड़ा की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति अपने कंधे पर प्लास्टिक की कैनी उठाए हुए आता दिखाई दिया। पुलिस वाहन को देखकर वह घबराकर वापस मुड़कर तेजी से चलने लगा। शक के आधार पर उसे काबू कर पूछताछ की गई।नियमानुसार तलाशी के दौरान उसकी कैनी से 62 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई। बरामद शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 161 दिनांक 03.06.2026 के तहत धारा 61/4/2020 आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया। उपनिरीक्षक अशोक

कुमार ने बताया कि आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

टोहाना के थाना जाखल पुलिस ने 7.50 ग्राम हेरोइन सहित एक आरोपी को किया काबू

नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई, आरोपी के कब्जे से 7.50 ग्राम हेरोइन बरामद

भीम प्रज्ञा न्यूज.टोहाना/जाखल।

रजत विजय रंगा । थाना जाखल पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए चुहड़पुर निवासी पम्पा सिंह पुत्र करतार सिंह को 7.50 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। थाना जाखल प्रभारी उपनिरीक्षक सुरेश ने बताया कि पुलिस टीम गांव म्योद खुर्द क्षेत्र में गश्त एवं नशीले पदार्थों की रोकथाम के लिए मौजूद थी। इसी दौरान गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि चुहड़पुर निवासी पम्पा सिंह अवैध रूप से नशीले

पदार्थों की तस्करी करता है तथा हेरोइन लेकर आने वाला है। सूचना को विश्वसनीय मानते हुए पुलिस ने रंगोई नाला पुल के समीप नाकाबंदी की। कुछ समय बाद संदिग्ध व्यक्ति वहां पहुंचा। पुलिस टीम को देखकर वह वापस मुड़कर भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे काबू कर लिया। नियमानुसार की गई तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 7.50 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसे कब्जा पुलिस में लेकर आगामी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। इस संबंध में थाना जाखल में अभियोग संख्या 70 दिनांक 03.06.2026, धारा 21B/61/85 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जाएगा तथा मामले की आगामी जांच जारी है।

गुमान की ढाणी में मौत बनकर लटक रही 11 केवी लाइन, शिकायतों के बावजूद नहीं जागा बिजली निगम

भीम प्रज्ञा न्यूज.बुहाना।

बुहाना क्षेत्र के जयसिंहपुरा गांव के फीडर के अंतर्गत आने वाली गुमान की ढाणी में अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एवीवीएनएल) की कथित लापरवाही के कारण बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। यहां खेतों के बीच से गुजर रही 11 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन के तार अत्यधिक ढीले होकर जमीन के बेहद करीब लटक रहे हैं, जिससे किसानों और पशुओं की जान पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों के अनुसार गुमान की ढाणी निवासी काश्तकार रघुवीर सिंह यादव के खेत के बीच से 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन गुजर रही है। समय के साथ तार इतने नीचे आ गए हैं कि खेत में काम करने वाले किसानों को उनके नीचे से गुजरते समय झुकना पड़ता है। किसानों का कहना है कि किसी भी समय

बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद निगम की ओर से समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है।किसानों ने बताया कि करंट लगने के भय के कारण लाइन के नीचे वाले क्षेत्र में खेती करना लगभग असंभव हो गया है। बुआई और अन्य कृषि कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। खेत में ट्रैक्टर या कृषि यंत्र ले जाने में भी डर बना रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में घूमने वाले मवेशियों और अन्य पशुओं के लिए भी यह ढीली लाइन किसी खतरे से कम नहीं है। यदि किसी कारणवश तार टूटकर नीचे गिर जाएं तो बड़ा जानमाल का नुकसान हो सकता है। क्षेत्र के लोगों ने बताया कि बरसात और तेज हवा के दौरान स्थिति और अधिक गंभीर हो जाती है। हवा चलने पर तार आपस में टकराते हैं, जिससे चिंगारियां निकलती हैं। ऐसे में आसपास खड़ी सूखी फसल या घास-फूस में आग लगने की संभावना बनी रहती है। इससे किसानों की फसल और संपत्ति को भी खतरा है।ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार सहायक अभियंता कार्यालय में लिखित और मौखिक शिकायतें दी जा चुकी हैं। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

दशकों से बसे 38 परिवारों पर बेघर होने का संकट, पंचायत से लगाई न्याय की गुहार

"जिन घरों में पीढ़ियां पली-बढ़ीं, आज उन्हीं पर उजड़ने की तलवार; महुखुर्द में ग्रामीणों का सामूहिक आक्रोश, पंचायत से मांगा संरक्षण"

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । ग्राम महुखुर्द में वर्षों से बसे 38 परिवारों के सिर पर बेघर होने का संकट मंडराने लगा है। मकान हटाने और स्थान खाली करने के नोटिस मिलने के बाद गुरुवार को ग्रामीणों का सब्र टूट गया और बड़ी संख्या में महिला-पुरुष एकजुट होकर महुखुर्द के ग्राम पंचायत भवन पहुंच गए। यहां ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासक पुष्पेंद्र शर्मा को ग्राम विकास अधिकारी कमलेश मीना की मौजूदगी में सामूहिक ज्ञापन सौंपते हुए अपने अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई दशकों से गांव में अपने-अपने मकानों में निवास कर रहे हैं। उनके पास ग्राम पंचायत द्वारा जारी पट्टे, विद्युत कनेक्शन, बिजली बिलों की रसीदें, मतदाता सूची में नाम सहित अन्य सरकारी अभिलेख मौजूद हैं, जो उनके वैध और लंबे समय से स्थापित निवास के प्रमाण हैं। इसके बावजूद मकान हटाने के नोटिस मिलने से परिवारों के सामने भविष्य को लेकर गहरी चिंता खड़ी हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि जिन घरों में उनके बच्चे बड़े हुए, जिन आंगनों में पीढ़ियां पली-बढ़ीं, आज उन्हीं घरों को छोड़ने की नौबत आ गई है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने पंचायत से मांग की कि पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम सभा और पंचायत स्तर पर प्रस्ताव पारित किया जाए तथा जिला प्रशासन, उपखंड अधिकारी और अन्य सक्षम अधिकारियों को वास्तविक स्थिति से अवगत कराया जाए। साथ ही यह अनुशंसा भी की जाए कि किसी भी प्रकार की बेदखली की कार्रवाई से पहले सभी

दस्तावेजों, पट्टों और वास्तविक परिस्थितियों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा प्रभावित परिवारों को न्यायोचित अवसर दिया जाए। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था और उचित समाधान के यदि वर्षों से बसे परिवारों को हटाया गया तो यह केवल मकानों का मामला नहीं रहेगा, बल्कि दर्जनों परिवारों के आशियाने, आजीविका और सामाजिक अस्तित्व पर सीधा प्रहार होगा। ग्रामीणों की पीड़ा उनके शब्दों में साफ झलक रही थी कि "घर केवल ईंट-पत्थरों से नहीं बनते, उनमें पीढ़ियों की यादें और जीवन की कमाई बसती है।" इसी भावना के साथ ग्रामीणों ने पंचायत से उनके पक्ष में खड़े होकर न्याय दिलाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीण राधाकिशन मीना, पूर्व उप सरपंच सीताराम महावर, बद्री प्रसाद महावर, बिजेंद्र कोली, सम्पत कोली, जयनारायण मीना, अमित कुमार मीना, पवन कुमार मीना, किरोड़ीलाल मीना, रामजीलाल मीना, रामोतार मीना, लल्लू हरिजन, गोपाल हरिजन, मुरारी लाल महावर, किशन कोली, बुद्धाराम कोली, धन्नालाल कोली, विजय कुमार मीना, सोमात्या मीना, सुखराम कोली, शंकर कोली, कजोड़ कोली, लखनलाल महावर, महेश महावर, घनश्याम महावर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। वहीं महिलाओं में बसबाई महावर, पूर्व वार्ड पंच रेखा महावर, रामकली मीना, रोशनी देवी मीना, रीना देवी हरिजन, गुड्डी महावर, अनोखी महावर सहित अनेक महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए प्रभावित परिवारों के समर्थन में आवाज बुलंद की। गांव में इस मुद्दे को लेकर चर्चा का माहौल है। अब सबकी निगाहें पंचायत और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हैं कि दशकों से बसे इन परिवारों को राहत मिलती है या फिर उनके आशियानों पर मंडरा रहा संकट और गहरा होता है। "जब बात छत की हो, तो हर दस्तक इंसाफ के दरवाजे तक पहुंचनी चाहिए"–महुखुर्द के ग्रामीण फिलहाल इसी उम्मीद के सहारे न्याय की राह देख रहे हैं।

इनका कहना है...

"महुखुर्द गांव की जिस भूमि को लेकर विवाद सामने आया है, वह राजस्व अभिलेखों में चारागाह भूमि के रूप में एक ही खसरा नंबर में दर्ज है। प्रकरण वर्तमान में नायब तहसीलदार न्यायालय में विचाराधीन है तथा इस संबंध में उच्च न्यायालय में भी रिट याचिका लंबित है। ऐसे में मामले में अंतिम निर्णय संबंधित न्यायालयों के आदेश एवं फैसले के आधार पर ही लिया जाएगा।"

संतोष गुप्ता, तहसीलदार, बैजूपाड़ा

खैरथल-तिजारा में पटवारी 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने खैरथल-तिजारा जिले में कार्रवाई करते हुए सांथलका पटवार हल्का, तहसील टपूकड़ा की पटवारी आशा देवी को 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। एसीबी के अनुसार परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके पिता के निधन के बाद स्वयं एवं परिवारजनों के नाम इंतकाल दर्ज कराने तथा राजस्व रिकॉर्ड में पिता का नाम सही करवाने के बदले पटवारी आशा देवी 30,000 रुपये की रिश्वत मांग रही थीं और लगातार परेशान कर रही थीं।

शिकायत के सत्यापन के दौरान 25 मई 2026 को एसीबी ने पाया कि आरोपित पटवारी परिवादी से 10,000 रुपये रिश्वत ले चुकी थी तथा 5,000 रुपये की अतिरिक्त राशि की मांग कर रही थी। इसके बाद एसीबी मुख्यालय के निर्देश और उप महानिरीक्षक पुलिस डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरवीजन में एसीबी चौकी अलवर प्रथम के प्रभारी शब्बीर खान (उप अधीक्षक) के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान आशा देवी को परिवादी से 5,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। रिश्वत की राशि आरोपित के बैग से बरामद कर ली गई है। एसीबी ने आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पूछताछ और आगे की जांच जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस : प्रकृति संरक्षण ही मानवता का भविष्य

भीम प्रज्ञा विशेष दिवस।

हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानव जीवन के अस्तित्व से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अवसर है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण, जैव विविधता के संकट, जल संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। विश्व पर्यावरण दिवस हमें यह सोचने का अवसर प्रदान करता है कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी धरती छोड़कर जाना चाहते हैं। पर्यावरण शब्द का अर्थ हमारे चारों ओर मौजूद प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश से है। इसमें वायु, जल, भूमि, वन, वन्यजीव, पर्वत, नदियां तथा जीव-जंतु सभी शामिल हैं। मनुष्य का जीवन पर्यावरण पर पूरी तरह निर्भर है। स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी, उपजाऊ भूमि और संतुलित जलवायु के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति का

दरिया सिंह गोठवाल (वरिष्ठ अध्यापक)
शहीद अमर सिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय,जयसिंहवास(सूरजगढ़)

अत्यधिक दोहन किया है, जिसके परिणाम आज पूरी दुनिया भुगत रही है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और बढ़ती जनसंख्या के कारण प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण, भूजल का अत्यधिक दोहन और जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचा रहा है। इसके कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिसे वैश्विक तापन (ग्लोबल वार्मिंग) कहा जाता है। इसके परिणामस्वरूप मौसम चक्र में बदलाव, अनियमित वर्षा, सूखा, बाढ़, हीटवेव और प्राकृतिक आपदाओं की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। भारत सहित दुनिया के कई देशों में भीषण गर्मी और जल संकट एक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं। कई क्षेत्रों में तापमान नए रिकॉर्ड बना रहा है। भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और जल स्रोत सूखते जा रहे हैं। यह स्थिति केवल सरकारों की चिंता का विषय नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी भी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में पर्यावरणीय संकट और भी गंभीर रूप धारण कर सकता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षों का विशेष महत्व है। वृक्ष न केवल हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं बल्कि कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित कर वातावरण को संतुलित बनाए रखते हैं। वे मिट्टी के कटाव को रोकते हैं, वर्षा चस्र को प्रभावित करते हैं तथा अनेक जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल भी हैं। इसलिए वृक्षारोपण को केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर जनआंदोलन का रूप देना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति यदि वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा योगदान दे सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण आज विश्व के सामने एक गंभीर समस्या बन चुका है। एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक उत्पाद नदियों, समुद्रों और भूमि को प्रदूषित कर रहे हैं। इनके कारण अनेक जलीय जीवों और पशु-पक्षियों का जीवन खतरे में पड़ रहा है। इसलिए प्लास्टिक के उपयोग को कम करना और पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाना समय की मांग है। कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग, पुनर्चस्र ण (रिसाइक्लिंग) को बढ़ावा देना तथा कचरे का उचित प्रबंधन इस दिशा में प्रभावी कदम हो सकते हैं। जल संरक्षण भी पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। जल ही जीवन का आधार है, लेकिन आज स्वच्छ जल की उपलब्धता लगातार घट रही है। वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों का संरक्षण, पानी के विवेकपूर्ण उपयोग और पारंपरिक जल संरचनाओं के पुनर्जीवन से इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों, जोहड़ों और बावड़ियों का संरक्षण जल संकट को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवा पीढ़ी नई सोच, ऊर्जा और तकनीकी ज्ञान से परिपूर्ण होती है। यदि युवाओं को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए तो वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरण शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिए ताकि बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित हो सके। सरकारों द्वारा भी पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक योजनाएं और अभियान संचालित किए जा रहे हैं। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, हरित आवरण बढ़ाना, जल संरक्षण योजनाएं लागू करना और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कानून बनाना सराहनीय कदम हैं। हालांकि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। जब तक आम नागरिक पर्यावरण संरक्षण को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं समझेंगे, तब तक अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सकेंगे।विश्व पर्यावरण दिवस का वास्तविक उद्देश्य केवल एक दिन कार्यस्र म आयोजित करना नहीं, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति स्थायी जागरूकता उत्पन्न करना है। हमें अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे बदलाव लाने होंगे। ऊर्जा की बचत करना, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना, पानी की बर्बादी रोकना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना और अधिक से अधिक पेड़ लगाना ऐसे कदम हैं जिन्हें हर व्यक्ति आसानी से अपना सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। आर्थिक प्रगति तभी सार्थक है जब वह प्रकृति के संरक्षण के साथ हो। यदि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तो मानव सभ्यता भी सुरक्षित रहेगी। पृथ्वी केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी धरोहर है। इसलिए हमें इसे स्वच्छ, सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने होंगे। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाएंगे, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करेंगे और समाज में जागरूकता फैलाने का कार्य करेंगे। यही हमारे भविष्य को सुरक्षित रखने का सबसे

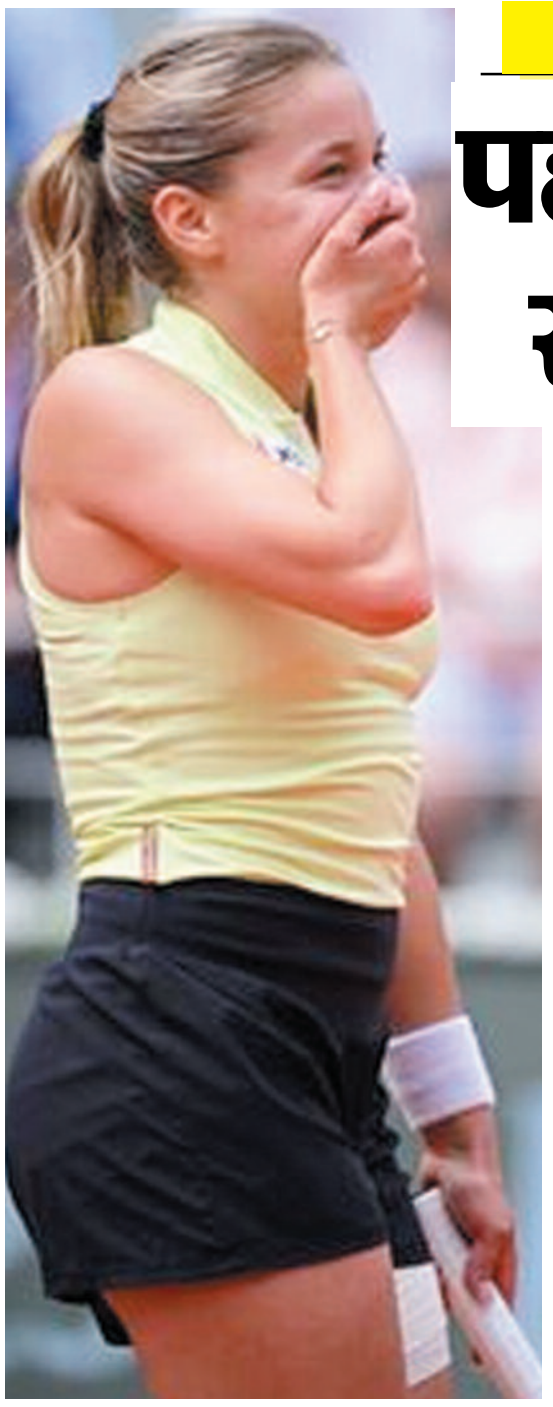

फ्रेंच ओपन: अन्ना कालिंस्काया को हराकर

पहली बार माजा च्वालिन्स्का ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

पेरिस। पोलैंड की टेनिस स्टार माजा च्वालिन्स्का ने फ्रेंच ओपन में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। कोर्ट फिलिप-चैटियर में नंबर 22 सीड एअन्ना कालिंस्काया को 7-6(3), 6-3 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। 24 साल की माजा पहली बार फाइनल में जगह बनाने के लिए वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका और नंबर 25 सीड डायना श्नाइडर के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल की विनर से होगा। कड़ी रैलियों और अहम मोमेंटम स्विंग वाले मुकाबले में, च्वालिंस्का ने अहम मौकों पर शानदार संयम दिखाया और अन्ना कालिंस्काया को हराकर आखिरी चार में अपनी जगह पक्की की।

पोलिश खिलाड़ी ने रिटर्न पर अपने मौकों का पूरा फायदा उठाया, आठ में से सात ब्रेक-पॉइंट चांस को शानदार तरीके से बदला, जबकि अन्ना कालिंस्काया ने 11 मौकों में से सिर्फ पांच को बदला। अन्ना कालिंस्काया ने मैच के सिर्फ दो एस मारे, लेकिन छह डबल फॉल्ट की वजह से उन्हें मुश्किल हुई, जिससे च्वालिंस्का पूरे मैच के दौरान स्ट्राइकिंग डिस्टेंस के अंदर रहीं।

पहला गेम हारकर मैच की शुरुआत करने वाली च्वालिंस्का ने लगातार ब्रेक हासिल करके 5-1 की बढ़त बना ली। हालांकि, कालिंस्काया ने लगातार चार गेम जीतकर वापसी की। सेट आखिरकार टाई-ब्रेक तक गया, जो काफी आसान था।

पहले सेट में काफी कड़ा मुकाबला होने के बाद, च्वालिंस्का अगले सेट में पूरी तरह हावी रहीं और वापसी का थोड़ा मौका गंवा दिया, क्योंकि उन्होंने लगातार दूसरा सेट 6-3 से जीतकर अगले राउंड में जगह बना ली।

श्नाइडर ने सबालेंका को चौंकाया, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचीं

रूस की 22 वर्षीय डायना श्नाइडर ने फ्रेंच ओपन के विमेंस सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में 'वर्ल्ड नंबर 1' अर्यना सबालेंका को चौंका दिया। श्नाइडर ने एक सेट और दो ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद आखिरी 10 गेम जीते और 2 घंटे 12 मिनट तक चले इस मैच में 3-6, 7-5, 6-0 से जीत दर्ज करते हुए पेरिस के स्टेड रोलैंड गैरोस में अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बना ली। 25वीं सीड श्नाइडर ने जबरदस्त वापसी करते हुए सबालेंका को इस जीत के साथ ही उन्होंने नंबर 1 सीड सबालेंका के लगातार 6 बड़े सेमीफाइनल में पहुंचने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। 22 वर्षीय श्नाइडर एक समय पूरी तरह से हारी हुई लग रही थीं, क्योंकि सबालेंका ने एक बड़ी बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली थी। लेकिन इस रूसी युवा खिलाड़ी ने यह साबित कर दिया कि जब तक मैच खत्म नहीं हो जाता, तब तक हार नहीं माननी चाहिए। उन्होंने एक शानदार वापसी की। दूसरे सेट में जब स्कोर 5-4 था और सबालेंका मैच जीतने के लिए सर्व कर रही थीं, तब वह जीत से सिर्फ दो प्वाइंट्स दूर थीं। ठीक उसी समय, बाएं हाथ से खेलने वाली श्नाइडर ने मैच का रुख पलटना शुरू कर दिया।

अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में खेल रहीं श्नाइडर पहली बार वर्ल्ड नंबर 1 खिलाड़ी का सामना कर रही थीं। जब कोर्ट फिलिप-चैट्रियर में तेज हवाएं चल रही थीं, तब भी उन्होंने हालात पर पूरी तरह से काबू पाया और इस बड़े मौके का शानदार फायदा उठाते हुए अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई।

6-3, 4-1 से पिछड़ने के बावजूद श्नाइडर ने अपने बाएं हाथ के फोरहैंड से लगातार विनर्स लगाते हुए अगले 13 में से 12 गेम जीत लिए। इसमें 5-3 के स्कोर के बाद लगातार जीते गए आखिरी 10 गेम भी शामिल हैं। इसके उलट, सबालेंका का अपने खेल पर से कंट्रोल हट गया और उन्होंने 57 अनफोर्स्ड एरर कर दिए, जिनमें से 17 तो सिर्फ निर्णायक सेट में हुए। ऐसा पहली बार था, जब उन्होंने 2024 दुबई के दूसरे राउंड में डोना वेकिच के खिलाफ तीसरे सेट के बाद से कोई सेट 6-0 से हारा था।

फुटबॉल वर्ल्ड कप हो जाएगा और रोमांचक

- **फीफा ने लिया बड़ा फैसला, हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए दिया जाएगा ब्रेक**

नई दिल्ली। फुटबॉल का खेल 90 मिनट का होता है और इसमें 45-45 मिनट को दो पीरियड होते हैं जिनके बीच 15 मिनट का ब्रेक होता है, लेकिन 2026 के फीफा वर्ल्ड कप में ये नियम बदल जाएगा। यही नहीं पहली बार हर मैच में हर हाफ के बीच में पानी पीने के लिए ब्रेक दिया जाएगा। ये ब्रेक पहले हाफ के 22वें मिनट में और दूसरे हाफ के 67वें मिनट में होंगे और मौसम कैसा भी हो ये ब्रेक जरूरी होंगे।

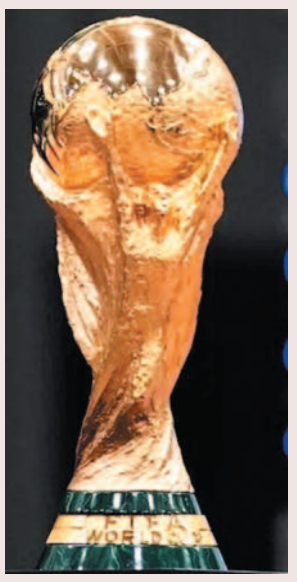

इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में किया जाएगा और यहां पर गर्मी होगी। गर्मी में होने वाले इस टूर्नामेंट को देखते हुए फीफा के लिए गर्मी से बचाव और खिलाड़ियों की सेहत का ध्यान रखना सबसे बड़ी चिंता बन गई है। ऐसे में फीफा ने एक जैसा नियम अपनाने का फैसला किया है जिसे हर मैच में लागू किया जाएगा। इन ब्रेक की वजह से इस गर्मी में फुटबॉल काफी हद तक हॉकी, बास्केटबॉलर और अमेरिकन फुटबॉल जैसा लगेगा।

खेल को व्यवस्थित करने के लिए उठाया कदम

फीफा द्वारा किए गए इस बदलाव के बाद से फुटबॉल असल में चार-क्वार्टर वाला खेल बन गया है। 45 मिनट तक बिना रुके खेलने के बजाय अब टीमों को हर हाफ के बीच में थोड़ा ब्रेक मिलेगा। हॉकी खिलाड़ी इस कॉन्सेप्ट से पहले से ही परिचित हैं। कोच क्वार्टर ब्रेक का इस्तेमाल प्रेसिंग पैटर्न बदलने, डिफेंसिव स्ट्रक्चर को फिर से व्यवस्थित करने और खेल की गति में आने वाले उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए करते हैं।

वैभव को मौका श्रेयस कप्तान

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के लिए इन खिलाड़ियों को भारतीय टी20 टीम में मिल सकती है जगह

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम आयरलैंड, इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली है। टीम इंडिया आयरलैंड के खिलाफ जून में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी जबकि इंग्लैंड के खिलाफ जुलाई में 5 मैचों की सीरीज खेलेगी। अब शनिवार को अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में बैठक करेगी और आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे साथ ही सितंबर में जापान में होने वाले 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। कई रिपोर्ट्स के मुताबिक सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जा सकता है जबकि तिलक वर्मा टीम के उप-कप्तान हो सकते हैं। चुकी सूर्यकुमार यादव की अब टी20 टीम से भी छुट्टी हो चुकी है ऐसे में टीम में मध्यक्रम में एक जगह खाली हो जाएगी जिससे श्रेयस अय्यर का रास्ता साफ हो जाएगा।

प्रिंस यादव को टीम में मिल सकती है जगह-उम्मीद ये की जा रही है कि साल 2026 में टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा जाएगा। हर्षित राणा अब तक फिट नहीं हुए हैं ऐसे में वो टीम में नहीं होंगे वहीं प्रिंस यादव को टीम में जगह दी सकती है।

भारत की संभावित टी20 टीम

संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, तिलक वर्मा, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी/हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज/जसप्रीत बुमराह।

विश्व विजेता कप्तान का ऐसा अंजाम

सूर्यकुमार यादव की T-20 से छुट्टी क्यों?

रोहित-कोहली-धोनी से बेहतर कप्तानी रिकॉर्ड

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव ने मार्च 2026 में अपनी कप्तानी में भारत को टी20 विश्व कप जिताया। मगर लगातार उनका खराब बल्लेबाजी फॉर्म चर्चा का विषय बना रहा है। अब खबर आ गई है कि सूर्या की टी20 टीम से बतौर कप्तान और बतौर बल्लेबाज छुट्टी तय है। आखिर ऐसा क्या हुआ कि सूर्या के टी20 इंटरनेशनल में रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से अच्छे कप्तानी रिकॉर्ड होने के बावजूद, उनकी किस्मत ने इस तरह पल्टी मार ली। अब उनके करियर पर भी खतरा मंडराने लगा है।

कप्तानी में हिट बल्लेबाजी में फ्लॉप

दरअसल इसका सबसे बड़ा कारण रहा सूर्यकुमार यादव का व्यक्तिगत बल्लेबाजी फॉर्म। सूर्या का ग्राफ लगातार पिछले कुछ सालों में गिरा है। उन्होंने साल 2021 में टी20 फॉर्मेट से ही इंटरनेशनल डेब्यू किया था। पांच साल में इस खिलाड़ी ने वे सब कमा लिया जो एक क्रिकेटर जिंदगी भर कमाने के लिए तरसता है। उनका वनडे, टेस्ट डेब्यू भी हुआ। टी20 में कप्तान बने और फिर वर्ल्ड कप भी अपनी कप्तानी में जीता। मगर कप्तानी में हिट सूर्या, लगातार पिछले कुछ समय से बल्लेबाजी में फ्लॉप नजर आए। ऐसे में आगामी एशियाई खेल, 2028 ओलंपिक, 2028 टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए मैनेजमेंट ने भविष्य पर विचार किया है। वह फिट हैं जरूर लेकिन उनकी 35 साल की उम्र भी इसका सबसे बड़ा कारण रही।

सबसे कम हार का प्रतिशत है सूर्या का

सूर्यकुमार यादव ने 2024 से 2026 टी20 विश्व कप तक कुल 52 टी20 इंटरनेशनल में टीम इंडिया की कमान संभाली। उनकी कप्तानी में भारत ने 40 मुकाबले जीते और सिर्फ 8 गंवाए। जिसमें से दो टाई और दो बेनतीजा रहे। उनका सक्सेस रेट 76.92 प्रतिशत रहा, जो रोहित शर्मा, विराट कोहली और एमएस धोनी से भी ज्यादा है। सूर्या का रिकॉर्ड रोहित से भी अच्छा इसलिए रहा क्योंकि जिन कप्तानों ने कम से कम 50 मैचों में भारत की टी20 कप्तानी की है, उनमें सबसे कम हार का प्रतिशत सूर्या का है।

खिलाड़ी	अवधि	मैच	जीते	हारे	टाई	बेनतीजा	जीत %	हार %
वीरेंद्र सहवाग	2006-2006	1	1	0	0	0	100.00	0.00
महेंद्र सिंह धोनी	2007-2016	72	41	28	1	2	56.94	38.88
सुरेश रैना	2010-2011	3	3	0	0	0	100.00	0.00
अजिंक्य रहाणे	2015-2015	2	1	1	0	0	50.00	50.00
विराट कोहली	2017-2021	50	30	16	2	2	60.00	32.00
रोहित शर्मा	2017-2024	62	49	12	1	0	79.03	19.35
शिखर धवन	2021-2021	3	1	2	0	0	33.33	66.66
ऋषभ पंत	2022-2022	5	2	2	0	1	40.00	40.00
हार्दिक पंड्या	2022-2023	16	10	5	1	0	62.50	31.25
केएल राहुल	2022-2022	1	1	0	0	0	100.00	0.00
जसप्रीत बुमराह	2023-2023	2	2	0	0	0	100.00	0.00
ऋतुराज गायकवाड़	2023-2023	3	2	0	0	1	66.66	0.00
सूर्यकुमार यादव	2023-2026	52	40	8	2	2	76.92	15.38
शुभमन गिल	2024-2024	5	4	1	0	0	80.00	20.00

सूर्यकुमार का 2021 से 2026 तक हर साल T20 में प्रदर्शन

वर्ष	मैच	पारी	नाबाद	रन	सर्वोच्च स्कोर	औसत	गेंदें	स्ट्राइक रेट	शतक	अर्धशतक	शून्य	चौके	छक्के
2021	11	9	2	244	62	34.85	157	155.41	0	3	1	25	12
2022	31	31	6	1164	117	46.56	621	187.43	2	9	2	106	68
2023	18	17	2	733	112*	48.86	470	155.95	2	5	0	61	43
2024	18	17	1	429	75	26.81	283	151.59	0	4	0	41	22
2025	21	19	3	218	47*	13.62	177	123.16	0	0	3	18	10
2026	14	14	3	484	84*	44.00	300	161.33	0	4	1	46	24

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से कोहली बाहर

अफगानिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे 3 मैचों की वनडे सीरीज

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बैटर विराट कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से वनडे टीम से बाहर हो गए हैं। यानी अब वो अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। भारत को अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जिसकी शुरुआत 6 जून से होगी और इसके बाद दोनों देशों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज का आयोजन किया जाएगा। इस वनडे सीरीज की शुरुआत 13 जून से होगी और सीरीज का आखिरी मुकाबला 20 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा मैच 17 जून को होगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़ और हर्ष दुबे।

राहुल-हेड ओपनर

गिल समेत 4 भारतीय शामिल

संजय बांगड़ ने चुनी टेस्ट के लिए वर्ल्ड प्लेइंग 11

नई दिल्ली। आईपीएल का रोमांच अब खत्म हो चुका है। 6 जून से भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलने उतरेगी। अब दुनिया में टेस्ट क्रिकेट का रोमांच शुरू होने वाला है। उससे पहले भारत के पूर्व खिलाड़ी संजय बांगड़ ने टेस्ट के लिए वर्ल्ड 11 का चुनाव किया है। उन्होंने अपनी टीम में भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल समेत चार भारत के खिलाड़ियों को चुना है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा खिलाड़ी-भारत और ऑस्ट्रेलिया के सबसे ज्यादा 4-4 खिलाड़ियों को संजय बांगड़ ने अपनी वर्ल्ड टेस्ट 11 में जगह दी है। केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत और जसप्रीत बुमराह के रूप में चार भारतीय इस टीम का हिस्सा बने हैं। जबकि कंगारू टीम के चार खिलाड़ी, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, पैट कमिंस (कप्तान) और मिचेल स्टार्क इस टीम में शामिल हैं। इंग्लैंड के दो खिलाड़ी बेन स्टोक्स और जो रूट भी इस टीम का हिस्सा हैं।

टेस्ट के लिए बांगड़ की वर्ल्ड प्लेइंग 11

केएल राहुल, ट्रेविस हेड, जो रूट, शुभमन गिल, स्टीव स्मिथ, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), बेन स्टोक्स, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, केशव महाराज।

वैभव होंगे एक्शन में, तिलक की कप्तानी में जीतने उतरेगी इंडिया 'ए'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में अपनी बल्लेबाजी से तूफान मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब 9 जून से फिर से एक्शन में नजर आने वाले हैं। वैभव का जादू भारतीय क्रिकेट फैंस के सिर पर इस कदर चढ़कर बोल रहा है वो उनके किसी भी मैच को मिस नहीं करना चाहते। वैभव देश में खेलें या फिर विदेश में हर कोई उनकी बल्लेबाजी को किसी भी कीमत पर देखना चाहता है। वैभव के इस क्रेज को देखते हुए अब इंडिया ए के श्रीलंका दौरे पर होने वाले मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

सोनी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा ट्राई सीरीज के मैचों का प्रसारण- वैभव सूर्यवंशी का क्रेज अब इंटरनेशनल लेवल पर भी फैल रहा है और ऐसा लग रहा है कि इसकी वजह से ब्रॉडकास्टर अपनी स्ट्रैटेजी पर दोबारा सोचने पर मजबूर हो रहे हैं। इंडिया ए टीम में उनके शामिल होने से लोगों में काफी दिलचस्पी जागी है और इसी को देखते हुए अधिकारियों ने फैसला किया है कि श्रीलंका में होने वाली अगली ट्राई-सीरीज का टीवी पर सीधा प्रसारण किया जाएगा।

दिल्ली अग्निकांड के बाद यूपी में इमारतों, होटलों के सुरक्षा ऑडिट का आदेश

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली के मालवीय नगर में एक रेस्तरां में लगी भीषण आग, जिसमें 21 लोगों की दुखद मौत हो गई, ने उत्तर प्रदेश सरकार को हरकत में ला दिया है। इस त्रासदी का संज्ञान लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य भर के सभी होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए गुरुवार को विशेष सुरक्षा जांच के आदेश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने राज्य के विकास प्राधिकरणों, पुलिस विभागों, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और अग्निशमन विभागों सहित कई अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत सक्रिय होने का निर्देश दिया। उनके आदेशानुसार, सभी ऊंची इमारतों, कार्यालयों, होटलों और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का गहन निरीक्षण किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनमें पर्याप्त और कार्यशील अग्नि सुरक्षा प्रणालियाँ स्थापित हों। विशेष रूप से, मुख्यमंत्री ने सभी होटलों की गहन सुरक्षा जांच करने और उसकी विस्तृत ऑडिट रिपोर्ट जल्द से जल्द प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देशों की पुष्टि करते हुए, मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) अंकुश मित्तल ने बताया कि विशेष टीमें पहले से ही स्थानीय होटलों का सक्रिय रूप से निरीक्षण कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि अग्नि सुरक्षा मानदंडों का उल्लंघन करने वाले किसी भी प्रतिष्ठान के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मित्तल ने कहा, सभी होटलों और विभिन्न स्टेशनों में अभियान चलाए जा रहे हैंज यदि लापरवाही पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस बीच, उत्तर प्रदेश के मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने दिल्ली में हुई दुखद घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घोषणा की कि जिला मजिस्ट्रेटों और स्थानीय अधिकारियों को सुरक्षा अनुपालन को और अधिक सख्ती से लागू करने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। खन्ना ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद है और सरकार भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है।

मां वैष्णो देवी दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू

जम्मू (एजेंसी)। कटरा में मां वैष्णो देवी के दरबार में दर्शन करने वालों के लिए रैपिडो सेवा शुरू कर दी गई है। इसके चलते अब श्रद्धालुओं को माता रानी के दर्शन करने में आसानी होगी। जानकारी के मुताबिक उक्त रैपिडो सेवा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और बाणगंगा रूट पर उपलब्ध है। अगर रेट की बात करें तो श्रद्धालुओं को बहुत ही कम पैसे में यह सेवा मिल रही है। इस रैपिडो सेवा में बाइक, ऑटो और कार के जरिए श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन तक यात्रा कर सकते हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि बाइक राइड 35 रुपए, ऑटो राइड 91 रुपए, कार राइड 156 रुपए और प्रीमियम कार राइड 176 रुपए के आसपास होगी।

कर्नाटक में छात्रों को फ्री बस सुविधा, नए मुख्यमंत्री का पहला फैसला

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने पद की शपथ लेते ही छात्रों के हित में बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री बनने के बाद आयोजित पहली कैबिनेट बैठक में उन्होंने छात्रों को मुफ्त बस पास देने की घोषणा की। इसके साथ ही युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से 'भारत जोड़ो युवा संघ' के गठन का भी ऐलान किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के बाद शिवकुमार ने कहा कि उनकी सरकार शिक्षा, युवाओं और सामाजिक कल्याण को प्राथमिकता देगी। उनके इस पहले फैसले को छात्रों और युवा वर्ग के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है।

रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से फैली सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

बोकारो (एजेंसी)। झारखंड के बोकारो जिले में रेलवे ट्रैक से तीन युवकों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। गुरुवार सुबह राधानगर पंचायत के समीप लावाटांड़ क्षेत्र में रेलवे लाइन के किनारे तीन शव पड़े होने की सूचना मिलने के बाद जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल बोकारो रेलवे स्टेशन से करीब 8 से 9 किलोमीटर दूर स्थित है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती जांच के बाद तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई और क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। मृतकों में से एक युवक की पहचान घटनास्थल से मिले आधार कार्ड से बबलू सोरेन के रूप में हुई है। वह गोमिया प्रखंड के बरकी पुनु गांव निवासी सूरजलाल सोरेन का पुत्र बताया गया है। दूसरे मृतक दीपक सोरेन है, हालांकि पुलिस की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। तीसरे युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस उसकी पहचान के लिए आसपास के थानों से संपर्क कर रही है। जांच में पुलिस ने घटनास्थल के पास से एक बाइक भी बरामद की है। आशंका जताई जा रही है कि तीनों युवक किसी ट्रेन की चपेट में आए होंगे। हालांकि अभी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। मृतकों के परिजनों और स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

हैदराबाद के हेलमेट बाजार में भीषण आग, दुकानें जलकर खाक

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद के भीड़भाड़ वाले अमीरपेट इलाके में स्थित हेलमेट बाजार में गुरुवार को भीषण आग लग गई, इस आग ने कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और उन्हें खाक कर दिया। गनीमत रही कि इस बड़े अग्निकांड में अब तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब सात गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने व बचाव कार्यों में जुट गईं। रिपोर्ट के अनुसार, दमकल कर्मी आग की लपटों पर काबू पाने के लिए बड़े पैमाने पर सघन अभियान चला रहे हैं। चूंकि यह एक बेहद घना कारोबारी क्षेत्र है, इसलिए उनकी सबसे पहली प्राथमिकता आग को आसपास के अन्य प्रतिष्ठानों और दुकानों तक फैलने से रोकना है। आग के कारण कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं, जिससे लाखों का नुकसान होने का अनुमान है। घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में बाजार परिसर से धुएं का घना गुबार आसमान की तरफ उठता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं दमकल कर्मी लगातार इस भयानक आग से जूझते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन और बचाव कार्यों को सुचारु रूप से चलाने के लिए अधिकारियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है। यातायात (ट्रैफिक) को भी घटनास्थल के आसपास नियंत्रित किया गया है, ताकि दमकल और बचाव टीमों को बिना किसी बाधा के काम करने का अवसर मिल सके।

गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी

सीजेआई बोले- आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं इस सोच को बदलना है

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक लेख में लिखा- भारत के विकास की चर्चा महानगरों, उद्योगों, तकनीक और आधुनिक संरचना के संदर्भ में की जाती है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और तीव्र आर्थिक गतिविधियां प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं, किंतु इस विकास यात्रा के बीच अहम सवाल हमारे सामने खड़ा है- क्या हम अनजाने में गांवों की मूल आत्मा खो रहे हैं? क्या विकास का अर्थ यह होना चाहिए कि गांव धीरे-धीरे शहर का रूप ले लें? अथवा हमें ऐसा भारत निर्मित करना चाहिए, जहां गांव अपनी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक आत्मीयता और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से भी सम्पन्न हों? यह पूरे भारत के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, लेकिन हरियाणा के गांवों का उल्लेख इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वहां आज भी सामुदायिक जीवन, श्रम संस्कृति आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता की परंपरा जीवंत है।

उन्होंने कहा कि यही स्थिति देश के अनेक राज्यों के गांवों में भी दिखाई देती है। भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। यदि गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी। असली चुनौती यह है कि विकास पहुंचाते समय गांवों को 'शहर' बनने से कैसे बचाया जाए। गांवों में सड़कें हों, आधुनिक विद्यालय, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल सुविधाएं, रोजगार के अवसर हों, यह जरूरी है लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि गांवों की सामाजिक संरचना, सामूहिकता, पर्यावरणीय संतुलन व मानवीय निकटता सुरक्षित रहे।

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण केवल आर्थिक नहीं है। कई बार यह स्वाभाविक धारणा भी होती है कि सम्मानजनक जीवन, अवसर और आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं। यदि हमें गांवों को सशक्त बनाना है और इस सोच को बदलना है, तो हमें इस पलायन को हतोत्साहित करना होगा। जब युवाओं को यह अनुभव होगा कि वे अपने गांव में रहकर भी सम्मान, अवसर और प्रगति हासिल कर सकते हैं, तभी पलायन की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से कम होगी।

सीजेआई ने कहा कि ग्रामीण जीवन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। गांवों की सबसे बड़ी शक्ति उनका सामाजिक ताना-बाना है। शहरों में व्यक्ति अक्सर भीड़ के बीच भी अकेला हो जाता है, जबकि गांवों में समुदाय अभी भी जीवन का केंद्र बना हुआ है। परिवार, पड़ोस, सामूहिक सहयोग, पारस्परिक उत्तरदायित्व...ये वे मूल्य हैं, जो भारतीय समाज को स्थिरता प्रदान करते हैं। यदि गांवों का भी अत्यधिक नगरीकरण हो गया तो केवल भौतिक संरचना ही नहीं बदलेगी, हमारे सामाजिक संबंधों की प्रकृति भी बदल जाएगी।

भारत के गांव केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, वे भविष्य की संभावना भी हैं। आज विश्वभर में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण व सामुदायिक जीवन के महत्व पर फिर बल दिया जा रहा है। भारतीय गांव इन मूल्यों के स्वाभाविक केंद्र रहे हैं। हम संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं तो गांव आधुनिक सुविधाओं व पारंपरिक सामाजिक शक्ति का उत्कृष्ट संगम बन सकते हैं। भारत की प्रगति का सही मापदंड सिर्फ यह नहीं होगा कि शहर कितने विकसित हुए, बल्कि यह होगा कि गांव कितने आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सम्मानपूर्ण बने। यदि गांवों का युवा अपने भविष्य को गांव से जोड़कर देखे, किसान अपने श्रम पर गर्व अनुभव करे, महिलाओं को समान अवसर व सुरक्षा मिले और हर ग्रामीण परिवार को यह महसूस हो कि संविधान की शक्ति जीवन को स्पर्श कर रही है, तभी विकास वास्तव में समावेशी व सार्थक कहलाएगा।

कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई

पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा पर सांसद चतुर्वेदी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई की टिप्पणी के बाद बनी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है। शिक्षा व्यवस्था की विफलताओं के खिलाफ प्रस्तावित प्रदर्शन से पहले अपने जनाधार का विस्तार करने के उद्देश्य से पार्टी ने तीन प्रवक्ताओं की नियुक्ति की घोषणा की। अब इस पर घमासान छिड़ गया है। दरअसल पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रवक्ताओं में महिला की नियुक्ति न होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिजीत दीपके द्वारा बनाई सीजेपी ने मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि खोजी पत्रकार सौरव दास पार्टी के मुख्य प्रवक्ता होंगे, जबकि राजनीतिक शोधकर्ता एवं फिल्म निर्माता विजेता दहिया और पूर्व प्रबंधन सलाहकार आशुतोष रांका जनता और मीडिया के सामने संगठन का प्रतिनिधित्व करेंगे। पार्टी ने कहा कि सीजेपी भारत के राजनीतिक विमर्श की दिशा बदलने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बदलाव का नेतृत्व नई पीढ़ी के नेता करेंगे। इन नियुक्तियों की घोषणा अभिजीत दीपके के 6 जून को भारत लौटने के तय कार्यक्रम से कुछ दिन पहले की गई है। पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने एक्स पर कॉकरोच जनता पार्टी के तीनों प्रवक्ताओं की नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत संस्थापक, सह-संस्थापक और प्रवक्ता के रूप में 100 फीसदी पुरुष प्रतिनिधित्व के साथ हुई है। उन्होंने कहा कि ठीक है अब और जानने के लिए उत्सुक हूं। प्रियंका चतुर्वेदी की इस पोस्ट के कुछ देर बात ही अभिजीत दीपके ने महिला प्रवक्ता की नियुक्ति न होने को लेकर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हमने अपनी महिला टीम सदस्यों को यह भूमिका निभाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन कई महिलाओं ने कहा कि वे लगातार हो रहे ऑनलाइन हमलों और धमकियों के कारण आगे आकर सक्रिय रूप से शामिल हुए बिना ही अपनी भागीदारी निभाएंगी। हम उनके इस फैसला का सम्मान करते हैं। दीपके ने कहा कि इसके साथ ही हम उन युवा महिलाओं को आमंत्रित करना चाहते हैं जो इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहती हैं और प्रवक्ता के रूप में आगे आने को तैयार हैं, वे हमसे जुड़ें।

दिल्ली के बाद अब फिरोजपुर के रेस्टोरेंट में लगी आग, एक की मौत

फिरोजपुर (एजेंसी)। फिरोजपुर कैंट में गुरुवार को मशहूर रेस्टोरेंट में भीषण आग लग गई। जानकारी के मुताबिक नैवेद्यम स्वीट्स एंड बेकर्स फिरोजपुर, पंजाब में स्थित एक बेहद लोकप्रिय और जानी-मानी बेकरी व रेस्टोरेंट है। रेस्टोरेंट में लगी भयानक आग से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूर-दूर तक धुआं दिखाई देने लगा। मौके पर तुरन्त फायर ब्रिगेड पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। जानकारी के मुताबिक रेस्टोरेंट में लगी आग में तुलसी नाम के एक कर्मचारी की जलने से मौत हो गई है। जब आग लगी तो किसी को नहीं पता था कि यह कर्मचारी रेस्टोरेंट के अंदर है। जब फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझा रहे थे तो उन्होंने इस जले हुए व्यक्ति को देखा, जिसे बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया। तो उसकी मौत हो चुकी थी। डीएसपी सिटी फिरोजपुर ने कहा कि आग में जलकर मरे इस युवक की मौत के मामले में पुलिस कानूनी कार्रवाई कर रही है। इस घटना में एक व्यक्ति घायल भी हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के अंदरूनी हिस्से में लगी जहां फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक सामान व अन्य सामग्री पड़ी थी जिससे नुकसान हुआ। ऊपर मंजिल पर आग लगी, जहां पहुंचने के लिए कोई सीधा रास्ता नहीं है। इसलिए आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड टीम को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान बड़ी चिंता रेस्टोरेंट में रखा गैस सिलेंडरों को लेकर थी, अगर आग फैलती तो वहां बड़ा धमाका हो सकता था। मौके पर फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बहुत ही सावधानी से गैस सिलेंडरों को बाहर निकाला।

राज्यसभा चुनाव: कांग्रेस का बड़ा दांव, कर्नाटक से कौन जाएगा दिल्ली?

वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा के नाम चर्चा में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी राज्यसभा चुनावों के मद्देनजर, कांग्रेस पार्टी कर्नाटक में अहम रणनीति पर काम कर रही है। कर्नाटक राज्य की चार सीटों में से तीन पर जीत की प्रबल संभावना के साथ, पार्टी हाईकमान कर्नाटक से बाहर के किसी बड़े नेता को उच्च सदन भेजने का बड़ा दांव चल सकता है।

रिपोर्टों के अनुसार, वाईएस शर्मिला, सुप्रिया श्रीनेत और पवन खेड़ा जैसे नेता कर्नाटक से राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस नेतृत्व से संपर्क में हैं। इसमें शर्मिला का नाम सबसे ऊपर है, जिन्होंने इसी साल जनवरी में अपनी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का कांग्रेस में विलय किया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी की मौजूदगी में औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल होने के बाद, उन्हें एक मजबूत दावेदार बताया जा रहा है। दूसरी प्रमुख दावेदार सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल कम्युनिकेशन की अध्यक्ष हैं, जो अपनी मुखर शैली और टीवी बहसों में पार्टी का प्रभावी ढंग से पक्ष रखने के लिए जानी जाती हैं। तीसरे नाम पवन खेड़ा का है, जो हाल ही में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े एक मामले और नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखे हमलों के कारण सुर्खियों में रहे हैं।

कर्नाटक से राज्य के बाहर के नेताओं को राज्यसभा भेजने का इतिहास रहा है। 2024 में कांग्रेस ने दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय माकन को मनोनीत किया था। वहीं भाजपा ने भी केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जैसे गैर-कर्नाटक नेताओं को इसी राज्य से उच्च सदन भेजा है। अब मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार जल्द ही नई दिल्ली में केंद्रीय नेताओं से परामर्श कर उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने वाले है।

वहीं कांग्रेस पार्टी के भीतर कुछ नेता सिद्धारमैया को राज्यसभा भेजने के पक्ष में हैं, हालांकि उन्होंने राज्य की राजनीति में सक्रिय रहने की अपनी इच्छा जाहिर की है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के भी राज्यसभा के लिए फिर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, यदि पार्टी वीरशैव-लिंगायत समुदाय से उम्मीदवार नामित करती है, तब उसके महासचिव बसवराजु एपी एक मजबूत दावेदार हैं, क्योंकि पिछले 25 वर्षों में इस समुदाय से कोई कांग्रेस नेता राज्यसभा नहीं पहुंचा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद का विधान परिषद में कार्यकाल इस महीने समाप्त हो रहा है। उनके नाम पर भी चर्चा चल रही है, हालांकि पार्टी सूत्रों का कहना है कि वे विधान परिषद में एक और कार्यकाल या मंत्री पद के इच्छुक हैं। 18 जून को विधानसभा निर्वाचक मंडल की सात विधान परिषद सीटों के लिए भी चुनाव होंगे, जहाँ कांग्रेस को चार सीटें जीतने की उम्मीद है। राज्य में सत्ता में होने के कारण, कई नेता राज्यसभा सदस्य बनने के बजाय एमएलसी बनने को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अब अपने जन्म दिन पर नई पार्टी का ऐलान करेंगे अन्नामलाई?

भाजपा से इस्तीफे के बाद तमिलनाडु में सियासी भूचाल

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु की राजनीति में एक बहुत बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद और पार्टी से के अन्नामलाई ने इस्तीफा दे दिया है, जिससे राज्य के सियासी गलियारों में भारी हलचल मच गई है। आज उनके 42वें जन्मदिन के अवसर पर यह कयास बेहद तेज हो गए हैं कि वह किसी नई पार्टी या एक स्वतंत्र आंदोलन की घोषणा कर सकते हैं। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि अन्नामलाई भाजपा से अलग होकर तमिलनाडु में अपनी खुद की स्वतंत्र जमीन तैयार करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। हालांकि, बीते 2 जून को दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से हुई उनकी मुलाकात के बाद शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें फिलहाल अपना इस्तीफा रोकने की सलाह दी थी, लेकिन इससे पहले वह भाजपा के राष्ट्रीय सचिव नितिन नवीन को अपना इस्तीफा सौंप चुके थे।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई का राजनीतिक भविष्य उस समय से असमंजस में दिखाई दे रहा था, जब भाजपा आलाकमान ने उन्हें पद से हटाकर नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु का नया प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। इसके साथ ही पार्टी ने साल 2026 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के साथ अपने पुराने गठबंधन को दोबारा जीवित कर लिया, जिसके बाद से अन्नामलाई हाशिए पर चल रहे थे।

साल 2020 में पुलिस की नौकरी छोड़ राजनीति में आने वाले अन्नामलाई का ग्राफ बेहद तेजी से बढ़ा था और वह महज 10 महीने के भीतर राज्य के सबसे युवा भाजपा अध्यक्ष बन गए थे। उनके आक्रामक नेतृत्व में पार्टी ने दो दशकों बाद 2021 के विधानसभा चुनाव में चार सीटें जीतकर राज्य में वापसी की थी। इतना ही नहीं, 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 3.66 प्रतिशत से बढ़कर सीधे 11.24 प्रतिशत पहुंच गया था। इसके विपरीत, नागेंद्रन के नेतृत्व में लड़े गए 2026 के हालिया चुनावों में भाजपा को भारी नुकसान उठाना पड़ा और वह महज एक सीट पर सिमट गई।

भाजपा की धड़कने बढ़ी

अन्नामलाई के इस्तीफे की खबरों के बीच कोयंबटूर और मदुरै जैसे बड़े शहरों में लगे पोस्टरों ने भाजपा की धड़कनें बढ़ा दी हैं। इन पोस्टरों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य बड़े नेताओं की तस्वीरें पूरी तरह गायब हैं, जबकि अन्नामलाई को दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज रजनीकांत और अजित के साथ दिखाया गया है। इस असमंजस के कारण भाजपा के भीतर इस्तीफों का दौर भी शुरू हो गया है; मछुआरा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एमसी मुनुसामी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में भारी निराशा देखी जा रही है।

सीजेपी को शशि थरूर की नसीहत, बोले- इंस्टाग्राम मंच है, बैलट बॉक्स नहीं

-युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे 'कॉकरोच जनता पार्टी' अभियान के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने देश के युवाओं, खासकर जेन-जी पीढ़ी को लोकतांत्रिक व्यवस्था के भीतर रहकर बदलाव लाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया जागरूकता फैलाने का प्रभावी मंच हो सकता है, लेकिन वास्तविक परिवर्तन के लिए लोकतांत्रिक संस्थाओं और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी जरूरी है।

दरअसल कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक लेख में कहा, कि 'कॉकरोच जनता पार्टी' जैसे अभियानों ने उन युवाओं की भावनाओं को सामने लाया है जो रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं और सार्वजनिक संस्थानों को लेकर निराश हैं। उन्होंने युवाओं से कहा, ÷इंस्टाग्राम आपका सार्वजनिक मंच है, लेकिन यह बैलट बॉक्स नहीं है।÷ थरूर ने युवाओं को अपने स्थानीय जनप्रतिनिधियों को जवाबदेह बनाने की सलाह देते हुए कहा कि उन्हें अपने विधायक और सांसदों के कार्यालयों तक पहुंचना चाहिए तथा समस्याओं के समाधान के लिए दबाव बनाना चाहिए। उन्होंने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सूचना का अधिकार (आरटीआई) का अधिक से अधिक उपयोग करने की भी बात कही। कांग्रेस सांसद ने कहा कि केवल निराशा व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को अपनी मांगों को स्पष्ट रूप से सामने रखना चाहिए और उन्हें ऐसे मुद्दों से जोड़ना चाहिए जिन पर कार्रवाई संभव हो। उनके अनुसार, संगठित और तथ्याधारित जनदबाव से मीडिया और जनप्रतिनिधियों को प्रतिक्रिया देने के लिए मजबूर किया जा सकता है। कांग्रेस नेता थरूर ने छात्र संगठनों, कानूनी सहायता समूहों और नीति-आधारित संस्थाओं के साथ जुड़ने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास के सफल जनआंदोलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ-साथ संगठन निर्माण, नीति-निर्माण, लॉबिंग और कानूनी लड़ाइयों की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने युवाओं को यह भी याद दिलाया कि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाएं अभी भी बदलाव का अवसर प्रदान करती हैं और उन्हें व्यवस्था के भीतर रहकर सुधार की दिशा में काम करना चाहिए। थरूर के अनुसार, देश की युवा आबादी भारत के भविष्य को आकार देने की क्षमता रखती है और उसे निराशा के बजाय रचनात्मक भागीदारी का रास्ता चुनना चाहिए।

सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर वाला पहला देश बना चीन, भारत दूसरे नंबर पर

-डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी मजबूत, वहां गूगल, अमेजन जैसे प्लेटफार्म नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट आज दुनिया की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। अरबों लोग रोजाना ऑनलाइन सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं आज दुनिया में सबसे ज्यादा इंटरनेट यूजर किस देश में हैं? भारत सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होने के बावजूद पहले नंबर पर नहीं है। यह रिकॉर्ड चीन के नाम है जहां इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या दुनिया में सबसे ज्यादा है। 2025 के अंत तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चीन में इंटरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या करीब 1.3 अरब तक पहुंच चुकी है। यह संख्या इतनी बड़ी है कि दुनिया के कुल इंटरनेट यूजर्स में हर पांचवां व्यक्ति चीन का निवासी है।

रिपोर्ट के मुताबिक देश की इंटरनेट पहुंच भी 80 फीसदी से ज्यादा हो चुकी है यानी अधिकांश आबादी अब ऑनलाइन से जुड़ चुकी है। दूसरी ओर भारत करीब 80.6 करोड़ इंटरनेट यूजर्स के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि अमेरिका करीब 32.2 करोड़ यूजर्स के साथ तीसरे नंबर पर है। चीन के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या इतनी विशाल है कि यह अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और कनाडा जैसे देशों की कुल ऑनलाइन आबादी को जोड़ने पर भी उससे ज्यादा है। यह दिखाता है कि डिजिटल दुनिया में चीन की मौजूदगी कितनी मजबूत हो चुकी है। चीन के आधिकारिक इंटरनेट नियामक संस्थान के मुताबिक, 2025 के अंत तक देश में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 1.12 अरब से ज्यादा दर्ज की गई और इंटरनेट पहुंच दर 80.1 फीसदी तक पहुंच गई।

चीन की डिजिटल दुनिया काफी हद तक बाकी देशों से अलग है। वहां कई लोकप्रिय विदेशी प्लेटफॉर्म जैसे गूगल और अमेजन उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में घरेलू कंपनियों ने इस खाली जगह को भर दिया है। आज चीन में अलीबाबा, टैंटकेंट और बाइदू जैसे प्लेटफॉर्म प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वहीं वीचेट, वेयबो और कुआशियू का दबदबा देखने को मिलता है जहां अन्य देशों में फेसबुक, एक्स और यूट्यूब् ज्यादा लोकप्रिय हैं।

चीन केवल इंटरनेट यूजर्स की संख्या में ही नहीं बल्कि डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भी अग्रणी है। 2025 के मध्य तक ऑनलाइन पेमेंट का इस्तेमाल करने वालों की संख्या 1.02 अरब से ज्यादा पहुंच गई थी। इसका मतलब है कि करीब 91 फीसदी इंटरनेट यूजर किसी न किसी रूप में डिजिटल पेमेंट सेवाओं का इस्तेमाल कर रहे हैं। रिटेल खरीदारी, टैक्सी बुकिंग, बिल भुगतान और अन्य सेवाओं में मोबाइल पेमेंट वहां की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है।

एआई के क्षेत्र में भी चीन तेजी से विस्तार कर रहा है। दिसंबर 2025 तक देश में लगभग 60.2 करोड़ लोग जनरेटिव एआई टूल्स का इस्तेमाल कर रहे थे। यह संख्या यूरोपीय संघ की कुल आबादी से भी ज्यादा बताई जाती है। चीन और भारत को मिलाकर देखें तो इन दोनों देशों में मौजूद इंटरनेट यूजर्स की संख्या दुनिया के शीर्ष 20 देशों के कुल इंटरनेट उपयोगकर्ताओं से भी ज्यादा है। यह संकेत देता है कि इंटरनेट और डिजिटल तकनीक का वैश्विक केंद्र धीरे-धीरे पश्चिमी देशों से हटकर एशिया और ग्लोबल साउथ की ओर बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

संयुक्त राष्ट्र ने दी चेतावनी : जून से अगस्त तक भयंकर गर्मी का अलर्ट, अल नीनो बढ़ाएगा आफत

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मौसम एजेंसी ने मध्यम या तीव्र अल नीनो का पूर्वानुमान लगाया है। उसने चेताया कि इससे न सिर्फ वैश्विक तापमान बढ़ने का खतरा है बल्कि आगामी महीनों में मौसम की चरम घटनाओं का जोखिम भी बढ़ सकता है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के अनुसार, गर्म समुद्री जल अल नीनो के विकास को बढ़ावा दे रहा है और जून से अगस्त तक दुनिया के अधिकांश हिस्सों में औसत से अधिक तापमान रहने का अनुमान है। अल नीनो मध्य और पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान में आवधिक वृद्धि है, जो आमतौर पर नौ से बारह महीने तक रहती है। डब्ल्यूएमओ ने कहा, यह अल नीनो नवंबर तक जारी रहने की संभावना है। उसने कहा, अल नीनो कितना तेज होगा, यह अभी भी अनिश्चित है क्योंकि मौसम विज्ञान के मॉडल इसकी तीव्रता पर भिन्न-भिन्न राय रखते हैं, लेकिन अधिकारियों ने तैयार रहने की जरूरत पर जोर दिया है। डब्ल्यूएमओ की महासचिव सेलेस्टे साउलो ने कहा, तीव्र अल नीनो घटना के लिए तैयार रहना ही होगा, क्योंकि इससे सूखा और भारी वर्षा बढ़ेगी और जमीन तथा समुद्र दोनों पर लू का खतरा भी बढ़ेगा।

इस्राइल में गृहयुद्ध जैसे हालात : सैन्य भर्ती के खिलाफ सड़कों पर उतरे अति-रूढ़िवादी यहूदी, फूंक दीं कारें

यरूशलम, एजेंसी। इस्राइल में हजारों अति-रूढ़िवादी यहूदियों ने अनिवार्य सैन्य भर्ती के विरोध में जबरदस्त प्रदर्शन किया और सड़कें जाम कीं। हिंसक प्रदर्शनकारियों ने रेल यातायात बाधित कर दिया और कुछ स्थानों पर कारों में आग लगा दी। पुलिस ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने कई प्रमुख चौराहों को रोका और एक बस से उतरे सैनिक पर हमला किया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन से जनजीवन ठप हो गया। हालात इतने विकट हो गए कि मध्य क्षेत्र स्थित यरुशलम और तेल अवीव में प्रमुख राजमार्ग बंद हो गए तथा सार्वजनिक परिवहन सेवाएं भी प्रभावित रहीं। स्राइल में अधिकतर यहूदी पुरुषों और महिलाओं के लिए सैन्य सेवा अनिवार्य है। हालांकि, प्रभावशाली लोग छूट हासिल करते रहे हैं। अब यह छूट खतरे में दिख रही है। बड़ी संख्या में इस्राइली युवक लंबे समय से चली आ रही इस व्यवस्था से असंतुष्ट हैं। यह असंतोष सेना के दबाव झेलने के चलते बढ़ गया। इस्राइली युवाओं में अनिवार्य सैन्य भर्ती के लिए आक्रोश इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि अनेक नागरिकों को रिजर्व ड्यूटी के लिए बार-बार मोर्चे पर लौटना पड़ा है। खासतौर पर पिछले कुछ वर्षों में गाजा और फिर लेबनान, ईरान तथा यमन में शुरू लड़ाई के चलते युवाओं के लिए यह नियम परेशानी बन गया है। इससे परिवारों में भी असंतोष है। यह विवाद अब पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार के लिए भी गंभीर सियासी संकट का कारण बन गया है। अति-रूढ़िवादी दलों द्वारा सरकार से समर्थन वापसी के बाद गठबंधन में दरार गहरा गई है। इसके चलते इस वर्ष के चुनाव समय पूर्व कराए जा सकते हैं।

पांच महीने की बच्ची की हत्या करने वाले शख्स को दिया गया मौत का इंजेक्शन, 29 साल पहले मिला था मृत्युदंड

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में अपनी प्रेमिका की पांच महीने की बच्ची की हत्या कर उसके शव को तालाब में फेंकने वाले एक व्यक्ति को मंगलवार शाम मौत की सजा दे दी गई। 53 वर्षीय एंड्रयू रिचर्ड ल्यूकार्ट को स्टार्के स्थित फ्लोरिडा स्टेट प्रिजन में तीन दवाओं के घातक इंजेक्शन दिए जाने के बाद शाम 6:19 बजे मृत घोषित किया गया। उसे 1996 में पांच माह की गैब्रिएल हैंशॉ की हत्या और गंभीर बाल उत्पीड़न के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद 1997 में मृत्युदंड सुनाया गया था। शाम छह बजे जब फांसी कक्ष का पर्दा उठा, तब ल्यूकार्ट पहले से ही एक टेबल पर बांधा हुआ था और उसके हाथ में आईवी लगी हुई थी। उसकी मौत तक एक पादरी टेबल के पास बैठकर उसके लिए प्रार्थना करता रहा। जब जेल अधीक्षक ने उससे अंतिम बयान के बारे में पूछा तो उसने दर्शक दीर्घा की पहली पंक्ति में बैठे लोगों की ओर देखकर कहा, 'मैं माफी चाहता हूं।' घातक दवाओं का इंजेक्शन शुरू होने के तुरंत बाद ल्यूकार्ट बेहोश हो गया। कुछ मिनट बाद जेल अधीक्षक ने उसे हिलाकर उसका नाम पुकारा, लेकिन उसकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद एक चिकित्साकर्मी ने उसके जीवन संकेतों की जांच की और कुछ मिनट बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। सुधार विभाग के प्रवक्ता जॉर्डन किर्कलैंड ने प्रेस वार्ता में बताया कि ल्यूकार्ट ने अंतिम भोजन लेने से इनकार कर दिया था और फांसी से पहले किसी मुलाकाती से नहीं मिला। हालांकि, उसने एक आध्यात्मिक सलाहकार से मुलाकात की थी। यह वर्ष 2026 में फ्लोरिडा में दी गई आठवीं फांसी थी।

नीरज डांगी को दोबारा राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर कांग्रेस में उत्साह, अनुभव और संगठन निष्ठा को मिला सम्मान

राजनीतिक सफर, जनसेवा और निरंतर सक्रियता का मिला पुरस्कार

भीम प्रज्ञा न्यूज़ जयपुर।

राजस्थान की राजनीति में कांग्रेस पार्टी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर एक बार फिर अपने अनुभवी नेता नीरज डांगी पर भरोसा जताया है। पार्टी द्वारा उन्हें पुनः उम्मीदवार बनाए जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस संगठन में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। इस निर्णय को कांग्रेस के भीतर संगठनात्मक समर्पण, अनुभव और निरंतर सक्रियता की सराहना के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने नीरज डांगी को दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने पर बधाई देते हुए पार्टी नेतृत्व मल्लिकार्जुन खड़गे सहित सभी नामित उम्मीदवारों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार संघर्षरत है।

ढाई दशक का संगठनात्मक अनुभव

नीरज डांगी कांग्रेस संगठन में लगभग ढाई दशकों से सक्रिय भूमिका निभाते आ रहे हैं। वर्तमान में वे राजस्थान से राज्यसभा सांसद होने के साथ-साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी में महासचिव के रूप में भी कार्यरत हैं। संगठन में उनकी भूमिका हमेशा मजबूत और सक्रिय मानी जाती रही है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, डांगी ने संगठन के विभिन्न स्तरों पर काम करते हुए अपनी कार्यशैली और समर्पण से एक अलग पहचान बनाई है। वे केवल राजनीतिक प्रतिनिधि ही नहीं, बल्कि संगठन निर्माण और चुनावी रणनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

शिक्षा और संगठन में योगदान

नीरज डांगी ने कर्नाटक के राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) से सिविल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की है। शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने संगठनात्मक जिम्मेदारियों को भी मजबूती से निभाया है। गुजरात, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्यों में उन्हें पार्टी द्वारा पर्यवेक्षक और समन्वयक जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गईं, जिन्हें उन्होंने सफलतापूर्वक निभाया।

राजनीतिक विरासत और मजबूत आधार

नीरज डांगी एक राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता स्वर्गीय दिनेश डांगी राजस्थान की राजनीति में एक प्रभावशाली नेता रहे हैं और लंबे समय तक पाली जिले की देसूरी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इस राजनीतिक विरासत के साथ नीरज डांगी ने भी अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

दूसरी बार मिला विश्वास, बढ़ी जिम्मेदारी

वर्ष 2020 में पहली बार राज्यसभा भेजे गए नीरज डांगी को अब पार्टी ने दोबारा उम्मीदवार बनाकर यह स्पष्ट संदेश दिया है कि संगठन के प्रति समर्पित और निरंतर सक्रिय नेताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जाएगी। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह निर्णय कांग्रेस की संगठनात्मक नीति और अनुभवी नेतृत्व पर भरोसे को दर्शाता है। इससे राजस्थान में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां और अधिक तेज हो गई हैं। नीरज डांगी की पुनः उम्मीदवारी को न केवल राजनीतिक उपलब्धि माना जा रहा है, बल्कि इसे संगठन के प्रति निष्ठा और जनसेवा की निरंतरता का सम्मान भी बताया जा रहा है।

ईरान ने संघर्ष के बाद अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद किए', आईएईए प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने दावा किया है कि ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच तेहरान ने अपने कई परमाणु कार्यक्रम बंद कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईरान के खिलाफ पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंध के बाद खुफिया जानकारियों से पता चला है कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रमों को सीमित किया है। ग्रॉसी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब इस्राइल और लेबनान के बीच अमेरिका में चौथे दौर की बातचीत होनी है, जिसके लिए दोनों देशों के प्रतिनिधि वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं।

अमेरिकी विदेश मार्को रूबियो ने मंगलवार को कहा कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम के पहलुओं पर बातचीत करने के लिए तैयार है। सीनेट की विदेश संबंधी समिति के सामने बोलते हुए रूबियो ने कहा, हम बात कर रहे हैं। हमारे सामने एक संभावना है, जो आज या कल हो सकती है या इसमें एक सप्ताह भी लग सकता है। पहली बार है, जब ईरान परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत के लिए तैयार हुआ है। रूबियो ने होर्मुज खोलने की वकालत की और अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों को मुक्त रखने की मांग की।

रूबियो ने जोर दिया कि यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य खोलता है, तो अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर नाकाबंदी को हटा देगा। उन्होंने यह भी बताया कि ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई जीवित हैं और अभी भी निर्णय लेने में शामिल हैं,

लेकिन यह भी कहा कि मोजतबा केवल लिखित संदेश और मध्यस्थों के माध्यम से संवाद करता है। रुबियो ने कहा कि ईरान की बातचीत की प्रक्रिया बहुत केंद्रित प्रतीत होती है, ईरानी अधिकारियों द्वारा भेजे गए संदेशों के साथ एक मंजूरी के लिए परिषद को भेजा जाता है, एक प्रक्रिया जो उनके अनुसार प्रतिक्रिया देने से पहले तीन से पांच दिन तक का समय ले सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी और इजरायली हमले ईरान के मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं को बहुत कम कर दिया है, लेकिन यह स्वीकार करते हुए कि तेहरान अभी भी बहुत सारे ड्रोन है, और यह नोट करते हुए कि ड्रोन का उत्पादन करना अपेक्षाकृत आसान है। इस्राइल और लेबनान के बीच चौथे दौर की यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब सीमा पर हमले अभी भी हमले जारी हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने दोनों देशों के बीच विवाद की जल्द समाधान की उम्मीद व्यक्त की। रूबियो ने बताया कि इस्राइल और लेबनान के बीच कल ही शांति समझौता हो सकता है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस्राइल ने लेबनान में कोई क्षेत्रीय दावा नहीं किया है।

भारत समेत 60 देशों पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा अमेरिका, लगाए बेतुके आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका एक तरफ भारत के साथ संबंध बेहतर करने की दुहाई दे रहा है, वहीं दूसरी तरफ ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ कार्रवाई से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल अमेरिकी सरकार एक बार फिर भारत पर नया टैरिफ लगाने की तैयारी कर रही है। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि यूएसटीआर ने भारत समेत 60 देशों पर ये नया टैरिफ लगाने का प्रस्ताव दिया है। टैरिफ लगाने की वजह ये बताई गई है कि भारत समेत 60 देश जबरन श्रम से उत्पादित वस्तुओं के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने दिया प्रस्ताव : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अमेरिकी व्यापार कानून 1974 की धारा 301 के तहत पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव बढ़ाती हैं और अमेरिकी व्यापार को बाधित करती हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय, अमेरिका की एक कार्यकारी संघीय एजेंसी है, जो अमेरिका की विदेश व्यापार नीति बनाने के लिए जिम्मेदार है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, भारत समेत 54 देश उन सामानों के निर्यात पर जरूरी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिन्हें जबरन श्रम द्वारा बनाया जाता है। भारत के अलावा इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

जैमिसन ग्रीर ने जारी किया बयान : अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने अपने बयान में कहा, 'हमारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों द्वारा जबरन श्रम से निर्मित वस्तुओं के निर्यात को रोकने में विफलता अस्वीकार्य है। इससे एक ऐसी स्थिति उत्पन्न होती हैइससे अमेरिकी कामगारों को असमान प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है।' अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने इन देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया है और इस पर जनता से प्रतिक्रिया मांगी गई है।

क्या है सेक्शन 301?: जिसके आड़ में दोबारा टैरिफ लगाने की फिराक में है यूएस, कैसे बन रही 60 देशों की लिस्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भारत समेत 60 देशों के खिलाफ नए व्यापारिक कदम उठा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय ने संकेत दिया है कि 1974 के अमेरिकी व्यापार कानून की धारा 301 के तहत चल रही जांच के नतीजे आने वाले हफ्तों में जारी किए जाएंगे। जांच में दक्षिण कोरिया, चीन, जापान और भारत सहित 70 से अधिक देशों की व्यापार नीतियों की समीक्षा की जा रही है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीयर ने कहा कि अगर जांच में अनुचित व्यापारिक प्रथाएं, अत्यधिक उत्पादन क्षमता या जबरन श्रम से जुड़े मामलों की पुष्टि होती है, तो अमेरिका अतिरिक्त टैरिफ या अन्य व्यापारिक प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव ला सकता है।

धारा 301 के तहत कैसे तलाशी जा रही है संभावनाएं : अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय

द्वारा जारी बयान के अनुसार, धारा 301 के तहत यह पाया गया है कि 60 देशों की नीतियां और कार्यशैली अमेरिकी व्यापार पर गैरजरूरी दबाव डालती हैं और अमेरिकी कारोबार में बाधा उत्पन्न करती हैं। स्ञ्जक्रअमेरिका की वह संघीय एजेंसी है जो देश की विदेश व्यापार नीति तैयार करने और व्यापारिक जांच करने के लिए जिम्मेदार है। बयान में कहा गया है कि भारत समेत 54 देश ऐसे उत्पादों के निर्यात पर प्रभावी प्रतिबंध लगाने में विफल रहे हैं, जिनके निर्माण में जबरन श्रम का इस्तेमाल होने की आशंका रहती है। इस सूची में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, बहरीन, बांग्लादेश, चीन, जापान, सऊदी अरब, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश भी शामिल हैं।

क्या है सेक्शन 301 : सेक्शन 301 अमेरिका के 1974 के ट्रेड एक्ट का एक प्रावधान है, जो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय को किसी देश की व्यापारिक नीतियों की जांच करने और उन्हें अमेरिकी हितों के खिलाफ या अनुचित पाए जाने पर जवाबी कार्रवाई की अनुमति देता है। इसके तहत अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ), व्यापारिक प्रतिबंध या अन्य दंडात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। ग्रीयर ने कहा कि ट्रंप प्रशासन का उद्देश्य अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत करना और उत्पादन गतिविधियों को वापस अमेरिका लाना है। उनका दावा है कि लंबे समय से जारी अनुचित व्यापारिक प्रथाओं और बढ़ते व्यापार घाटे के कारण अमेरिका को सख्त टैरिफ नीति अपनानी पड़ रही है। गौरतलब है कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश-विशेष पर लगाए गए रेसिप्रोकल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद ट्रंप प्रशासन अब सेक्शन 301 के तहत देशवार जांच कर नए टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में जांच रिपोर्ट आने के बाद भारत समेत कई देशों के निर्यात पर असर पड़ सकता है।

दुनियाभर के दुर्लभ खनिज पर नजरें गड़ाए है अमेरिका! मार्को रूबियो बोले- हमारी कूटनीति का प्रमुख आधार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स) अब अमेरिकी कूटनीति का एक प्रमुख आधार बन गए हैं। दुनिया भर में स्थित अमेरिकी दूतावास अब आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन पर निर्भरता कम करने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। मार्को रूबियो ने कहा, 'दुनिया भर में हर अमेरिकी दूतावास में महत्वपूर्ण खनिज हमारी कूटनीति का एक प्रमुख हिस्सा हैं।' उन्होंने महत्वपूर्ण खनिजों को उन्नत विनिर्माण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा प्रणालियों, सेमीकंडक्टर और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया। उन्होंने बताया कि अमेरिका विभिन्न क्षेत्रों में अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं विकसित कर रहा है, ताकि खनन, शोधन और प्रसंस्करण में चीन के वर्चस्व से पैदा हुई कमजोरियों को कम किया जा सके। उन्होंने हाल की कूटनीतिक पहलों का भी जिक्र किया, जिनमें खनिज सुरक्षा और सहयोग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय बैठकें शामिल हैं।

तीन दर्जन से ज्यादा देशों के साथ बातचीत : रूबियो ने कहा, 'दुर्लभ खनिज को लेकर मंत्रिस्तरीय बैठक में तीन दर्जन से अधिक देशों ने भाग लिया था।' उनके अनुसार, अमेरिका की रणनीति केवल खनिज भंडारों तक पहुंच हासिल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन के बाहर प्रसंस्करण और शोधन क्षमता बढ़ाने पर भी केंद्रित है। उन्होंने कहा कि इन सामग्रियों को इस्तेमाल योग्य उत्पाद में बदलने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। यह आर्थिक तथा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का अहम हिस्सा है। रूबियो ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक अब दुनियाभर की सरकारों के साथ मिलकर आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों की पहचान कर रहे हैं और देशों को निवेश तथा विकास के वैकल्पिक स्रोतों से जोड़ने का काम कर रहे हैं।

चीन को बताया विकासशील देशों के लिए बड़ी चुनौती : अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि बुनियादी ढांचा और औद्योगिक विकास की तलाश करने वाले कई देशों के पास अक्सर चीन समर्थित परियोजनाओं के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। रूबियो ने कहा, 'वहां केवल चीनी कंपनियां ही पहुंचती हैं।' उन्होंने इसे कई विकासशील देशों के सामने मौजूद एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि इसी कारण अमेरिका खनन, प्रसंस्करण, परिवहन और लॉजिस्टिक्स बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में अमेरिकी और सहयोगी देशों के विकल्पों को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है। इस प्रयास के तहत वित्तीय साधनों और समान सोच वाले देशों के साथ साझेदारी का इस्तेमाल किया जा रहा है, ताकि विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध क्षेत्रों में रणनीतिक परियोजनाओं को समर्थन दिया जा सके।

तिब्बत में चीन के अत्याचारों की जांच करेगा अमेरिका: संसद में नया बिल पेश, एक साल में सामने आएगी रिपोर्ट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में दोनों पार्टियों के प्रतिनिधियों ने एक नया बिल पेश किया है। इस बिल के तहत अमेरिकी विदेश विभाग को यह तय करना होगा कि क्या चीन ने तिब्बत के लोगों के खिलाफ नरसंहार या मानवता के खिलाफ अपराध किए हैं। यह बिल न्यू जर्सी के रिपब्लिकन प्रतिनिधि क्रिस स्मिथ और न्यूयॉर्क के डेमोक्रेट सांसद टॉम सुओजी ने मंगलवार को पेश किया। इस बिल का नाम 'टिब्बत एट्रोसिटीज डिटरमिनेशन एक्ट' है। अगर यह पास हो जाता है, तो विदेश मंत्री को एक साल के अंदर कांग्रेस को एक रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें चीन की तिब्बत में की गई गतिविधियों का आकलन होगा। यह बिल सीनेट में पहले से पेश किए गए एक दूसरे बिल का ही हाउस वर्जन है, जिसे रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट और डेमोक्रेट सीनेटर जेफ मर्कले ने पेश किया था।

इस बिल में क्या है : अगर यह कानून बन जाता है, तो अमेरिकी विदेश विभाग को यह जांच करनी होगी कि क्या चीनी अधिकारियों ने तिब्बतियों के खिलाफ मनमानी हत्याएं, गंभीर शारीरिक या मानसिक नुकसान, अमानवीय जीवन स्थितियां, जबरन विस्थापन, बड़े पैमाने पर हिरासत में लेना, जबरन नसबंदी और गर्भपात, और तिब्बती बच्चों को उनके परिवारों और समुदायों से अलग करने जैसे अत्याचार किए हैं। इसके अलावा, यह भी देखा जाएगा कि चीन तिब्बती बौद्ध धर्म को अपने हिसाब से बदलने, तिब्बती भाषा और

संस्कृति को दबाने की कोशिश कर रहा है या नहीं। रिपोर्ट में सरकारी जानकारी के साथ-साथ दूसरे स्वतंत्र स्रोतों की जानकारी भी शामिल होगी। साथ ही यह भी सुझाव दिए जाएंगे कि अमेरिका क्या कदम उठा सकता है, जैसे कि प्रतिबंध, वीजा रोकना या कूटनीतिक कार्रवाई करना।

अत्याचारों को नजरअंदाज नहीं करना है' : क्रिस स्मिथ ने कहा कि चीन लंबे समय से तिब्बत में गंभीर अत्याचार करता आ रहा है। इसे अब और नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, इन अपराधों को साफ तौर पर सामने लाना जरूरी है। क्योंकि जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जा सके। टॉम सुओजी ने कहा कि चीन की कार्रवाई सिर्फ तिब्बत ही नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए भी खतरा है। उन्होंने यह भी कहा कि तिब्बतियों, उइगर मुसलमानों और हांगकांग के लोकतंत्र समर्थकों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और मानवाधिकारों की रक्षा करनी चाहिए।

अमेरिकी सांसद की चेतावनी: वीजा में देरी से US में डॉक्टरों की कमी का खतरा, जानें भारतीयों पर पड़ेगा कितना असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेटर कर्स्टन गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी है कि जे-1 वीजा छूट की प्रक्रिया में देरी के कारण विदेश में प्रशिक्षित सैकड़ों डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है। इससे खासकर ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी और बढ़ सकती है। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट प्रतिनिधि गिलिब्रैंड ने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि प्रशासनिक लंबित मामलों के कारण योग्य विदेशी डॉक्टर देशभर के अस्पतालों में नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इसमें न्यूयॉर्क के कई ग्रामीण और स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित क्षेत्र भी शामिल हैं।

अमेरिका में काम करने वाले भारत के मेडिकल ग्रेजुएट्स सबसे ज्यादा : गिलिब्रैंड ने लिखा, 'ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स में प्रशासनिक रुकावट के कारण सैकड़ों योग्य विदेशी डॉक्टर अमेरिका में अपनी सेवाएं शुरू नहीं कर पा रहे हैं।' यह मुद्दा भारत के लिए भी महत्वपूर्ण हो सकता है, क्योंकि अमेरिका में काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स में भारतीय डॉक्टरों की संख्या सबसे अधिक है। गिलिब्रैंड ने कहा कि न्यूयॉर्क राज्य डॉक्टरों की कमी पूरी करने के लिए विदेशी प्रशिक्षित डॉक्टरों पर काफी निर्भर है, खासकर ग्रामीण इलाकों में जहां डॉक्टरों की भर्ती करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय मेडिकल ग्रेजुएट्स न्यूयॉर्क की स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। स्वास्थ्य सेवाएं देने वाले संस्थान योग्य डॉक्टरों को सिर्फ प्रशासनिक देरी के कारण खो नहीं सकते।

न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी : सीनेटर के अनुसार, न्यूयॉर्क के कुल डॉक्टरों में एक-तिहाई से अधिक विदेशी प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2025 की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि न्यूयॉर्क के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की गंभीर कमी है। रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य के 16 ग्रामीण काउंटियों में डॉक्टरों की भारी कमी है। कई काउंटियों

में एक भी बाल रोग विशेषज्ञ (पीडियाट्रिशियन) या स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ नहीं है। इन क्षेत्रों में औसतन हर 10,000 लोगों पर केवल 4 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सक उपलब्ध हैं, जो राज्य के औसत से आधे से भी कम है। इन क्षेत्रों के अस्पताल अक्सर जे-1 वीजा वेवर कार्यक्रम पर निर्भर रहते हैं। यह कार्यक्रम विदेशी डॉक्टरों को अमेरिका में रहने की अनुमति देता है, यदि वे डॉक्टरों की कमी वाले क्षेत्रों में काम करने के लिए सहमत हों। गिलिब्रैंड ने कहा कि वेवर आवेदन की प्रक्रिया में कई महीनों की देरी के कारण डॉक्टर नौकरी शुरू नहीं कर पा रहे हैं और अस्पतालों को अगले वर्ष की स्टाफिंग योजना बनाने में कठिनाई हो रही है। मरीजों के इलाज पर पड़ रहा सीधा असर उन्होंने लिखा, 'मेरे कार्यालय को न्यूयॉर्क के कई अस्पतालों और डॉक्टरों से शिकायतें मिली हैं कि उन्हें नौकरी का प्रस्ताव मिलने के बावजूद महीनों से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।' उन्होंने कहा कि ये प्रशासनिक देरी सिर्फ असुविधा नहीं है, बल्कि इससे स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिरता और मरीजों के इलाज पर सीधा असर पड़ सकता है। गिलिब्रैंड ने चेतावनी दी कि स्थिति इसलिए और गंभीर हो गई है क्योंकि रेजिडेंसी पूरी कर रहे कई डॉक्टरों के लिए 30 जुलाई एक महत्वपूर्ण समयसीमा है। यदि तब तक उनके वेवर आवेदन मंजूर नहीं होते, तो उन्हें अपने देश वापस लौटना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर समय पर अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा, विदेश विभाग और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा प्रक्रिया पूरी नहीं हुई, तो इन डॉक्टरों को अमेरिका छोड़ना पड़ सकता है और इसका खामियाजा न्यूयॉर्क के लोगों को भुगतना पड़ेगा। गिलिब्रैंड ने बताया कि अप्रैल में अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा ने उनके कार्यालय को जानकारी दी थी कि ऑफिस ऑफ ग्लोबल अफेयर्स बड़ी संख्या में आवेदनों पर काम कर रहा है और प्रक्रिया में सुधार भी कर रहा है। हालांकि, विभाग ने यह नहीं बताया कि लंबित मामलों का निपटारा कब तक होगा। उन्होंने अमेरिकी स्वास्थ्य एवं मानव सेवा से 15 जून तक यह जानकारी देने को कहा है कि कितने आवेदन लंबित हैं, उन्हें निपटाने में कितना समय लग रहा है और क्या जरूरत वाले क्षेत्रों में काम करने वाले डॉक्टरों के मामलों की प्रक्रिया तेज की जा सकती है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com